डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 172 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 08 अप्रेल 2025 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

सोने में 2 हजार 613 की बड़ी गिरावट

शेयर मार्केट के साथ सोना-चांदी भी धड़ाम, प्रॉफिट बुकिंग शुरू

नई दिल्ली, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शेयर मार्केट में सोमवार 07 अप्रैल को 3000 अंक से ज्यादा की गिरावट के बीच सोने और चांदी के दाम भी गिर गए। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2 हजार 613 रुपए गिरकर 88 हजार 401 पर आ गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 91हजार 14 रुपए थी।

एक किलो चांदी की कीमत 4 हजार 535 रुपए गिरकर 88 हजार 375 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 92 हजार 910 रुपए प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 01 लाख 934 रुपए और 3 अप्रैल को सोने ने 91 हजार 205 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

चार महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत-❊ दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत ..... **शेष पेज 4 पर**

धार्मिक नगरी दशपुर में राक्षसों जैसा रोल अदा कर रहा आबकारी विभाग..!

सीएम की धार्मिक मंशा पर सिस्टम का वार, पूर्व विधायक को संभालना पड़ रहा है मोर्चा

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव जहां मंदसौर में भगवान पशुपतिनाथ लोक के भव्य निर्माण का संकल्प लेकर मंदसौर को एक विश्वस्तरीय धार्मिक तीर्थ के रूप में विकसित करना चाहते हैं। वहीं दूसरी ओर आबकारी विभाग की लापरवाही इस सपने पर कालिख पोतती नजर आ रही है। धार्मिक नगरी के नाम पर घोषित शहर में शराब माफियाओं की चल रही मनमानी न सिर्फ सरकार की मंशा का मजाक है, बल्कि जनता की आस्था पर भी सीधा हमला है।

मंदिर व स्कूल के पास शराब ठेके, नियमों की खुलेआम हत्या..!-धार्मिक शहर दशपुर को पवित्र नगरी घोषित करने के बाद स्पष्टनियम है कि शराब की दुकानें शहर की सीमा से बाहर होंगी। लेकिन, ज़मीनी हकीकत इसके उलट है। आबकारी विभाग के अधिकारी बद्रीलाल दांगी पर आरोप हैं कि उन्होंने ठेकेदारों को फ़ायदा पहुंचाने के लिए नियमों को तोड़-मरोड़ कर मंदिर, स्कूल और अस्पताल के पास ठेके खुलवाए, जिससे धार्मिक मर्यादा और सामाजिक सुरक्षा की धज्जियां उड़ रही हैं, लेकिन आबकारी विभाग करनी करके भी मौन है।

झारड़ा, दलौदा और जग्गाखेड़ी – जब महिलाएं सड़क पर आई-झारड़ा बस स्टैंड के पास शराब दुकान खुली तो

गांधीसागर बॉर्डर, भानपुरा की फैक्ट्री या सीतामऊ का हादसा... हर बार कार्रवाई पुलिस करती है

❊ क्या एक्साइज विभाग को इनकी भनक तक नहीं लगती? या फिर वो जानबूझकर पीछे रहता है? ❊ हर बार मौत, हर बार चुप्पी- एक्साइज विभाग बना तमाशबीन ❊ हर बार पुलिस ने मोर्चा संभाला और आबकारी विभाग अपनी जिम्मेदारी से कन्नी काटता रहा... ये रवैया सिर्फ गैरजिम्मेदारी नहीं आम जनता की जान से खिलवाड़ है।

महिलाओं ने विरोध में सड़क जाम कर दी। इससे पहले जनप्रतिनिधि श्यामलाल जोकचंद जब भीड़ के साथ सुशासन भवन आए तो सैकड़ों की संख्या में महिलाओं, बुजुर्गों द्वारा भरी गर्मी में घंटों इंतजार करने के बाद भी आबकारी अधिकारी न तो ग्रामीणों की सुनने आए न जनप्रतिनिधि। ऐसे में आक्रोशित ग्रामीण उग्र हो गए। स्थिति को संभालते हुवे एसडीएम श्री शाक्य ने ग्रामीणों को शांत करवाया। लेकिन आबकारी अधिकारी दांगी के कान में जूं तक नहीं रेंगी..! दूसरे मामले में जग्गाखेड़ी में ग्रामीणों के विरोध के दौरान तोड़फोड़ की गई। ठेकेदार ने करीब 15 लाख का नुकसान लिखवाया। लेकिन प्रकरण दर्ज हुए ग्रामीणों पर ठेकेदार पर नहीं। इधर दलौदा में भी फोरलेन पर दुकान की अनुमति के विरोध में महिलाएं मुखर हुई। आखिर बैठकर तय हुआ कि ठेकेदार 20 दिन में अपनी दुकान अन्यत्र स्थांतरित करेगा। लेकिन, यहां भी आबकारी नुमाईंदे बैठक में नहीं पहुंचे थे।

आबकारी का नया दांव, कह रहे ठेकेदारो की प्रतिस्पर्धा-सूत्रों के अनुसार, आबकारी विभाग अब यह प्रचारित कर रहा है कि यह सब ठेकेदारों की आपसी प्रतिस्पर्धा के चलते हो रहा है। जबकि, विवादित कलालियों अर्थात शराब दुकानो को लेकर ग्रामीण जनता व महिलाओं द्वारा घेराव किया जा रहा है, प्रदर्शन उग्र हो रहे हैं।

इधर पूर्व विधायक एवं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपाल सिंह सिसौदिया ने साफ कहा है कि धार्मिक नगरी में मंदिरों के पास शराब दुकानें कैसे? क्या प्रशासन अब ठेकेदारों की जेब में है..? उनका बयान न सिर्फ जनता की भावनाओं का प्रतिबिंब है, बल्कि प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सीधा प्रश्नचिन्ह भी।

आस्था बनाम व्यवस्था... अब निर्णायक समय...

जब प्रदेश सरकार एक धार्मिक पहचान गढ़ने में जुटी हो और उसका ही विभाग माफियाओं की कठपुतली बना हो तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं, विश्वासघात है। मंदसौर की जनता, खासकर महिलाएं अब सवाल कर रही हैं और यह सवाल केवल शराब का नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्तित्व का है। देखना है आबकारी विभाग कब तक सेटिंग के चलते धार्मिक नगरी को अधार्मिक साबित करने में लगा रहेगा?

शहर की हवा में तैरते सवाल...

❊ क्या मंदसौर में शराब से हो रही मौतें सिर्फ माफियाओं की गलती हैं, या सिस्टम भी दोषी है? ❊ आबकारी विभाग के अधिकारी कब होंगे जवाबदेह? ❊ क्या धार्मिक मर्यादाओं को ठेकेदारों की सुविधा के लिए कुचला जाएगा? ❊ क्या भगवान पशुपतिनाथ लोक की पवित्रता अब केवल पोस्टर में बचेगी?

एक्साइज विभाग की जिम्मेदारी...

❊राज्य में शराब और नशीले पदार्थों के निर्माण, वितरण और बिक्री की निगरानी ❊ अवैध शराब पर रोक ❊ ज़हरीली, नकली या टैक्स चोरी वाली शराब की धरपकड़ ❊ लाइसेंस प्रक्रिया की पारदर्शिता ❊ जनता की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई

मंदसौर में आबकारी विभाग फाइलों में गुम है..?

❊ न समय पर छापे ❊ न अवैध ठिकानों की पहचान, हर बार पुलिस पकड़े शराब, एक्साइज नदारद क्यों?

गैस सिलेंडर हुआ पचास रुपए महंगा

सात साल में सब्सिडी 4500 रुपए कम हुई

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। गर्मी के मौसम में फ्रिज, कूलर का खर्च बढ़ जाता है। इधर बिजली की खपत के साथ बिजली के दाम में भी बढ़ोतरी हो गई। उधर गर्मी में सब्जियों की आवक भी प्रभावित होती है। जिससे उसके दामों में बढ़ोतरी भी तय मानी जा रही है। इधर एक और झटका घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर सरकार ने दिया है। हालांकि भाव दो साल बाद बढ़े हैं। लेकिन, महंगाई के बीच में पचास रुपए का बोझ घरेलू गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाकर उपभोक्ताओं की जेब पर डाला गया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि सात साल पहले उपभोक्ताओं के खाते में 502 रुपए सब्सिडी आती थी। लेकिन, अब सब्सिडी साढ़े चार सौ रुपए घटकर करीब पचास रुपए ही हो गई है।

गैस सिलेंडर ने लंबे समय बाद दिया झटका...

सिलेंडर के दाम जरुर बढ़े है। लेकिन, लंबे समय बाद सरकार ने यह झटका दिया है। वर्ष 2023 की बात करें तो सिलेंडर के दाम 1180 रुपए प्रति सिलेंडर थे। उस समय सात साल में 75प्रतिशत गैस सिलेंडर के दाम बढ़ चुके थे। हालांकि इसके बाद चुनावी साल के चलते भाव में गिरावट हुई। गैस सिलेंडर के भाव करीब दो सौ रुपए तक कम हो गए। इसके बाद भाव ज्यादा ऊपर नीचे नहीं हुए। वर्तमान की बात करें तो गैस सिलेंडर के भाव मंदसौर में 879 रुपए है। जो पचास रुपए बढ़ने के साथ ही 929 रुपए हो गए है।

उज्जवला वालों पर भी बढ़ा बोझ...

कुछ समय पहले जिले में उज्जवला योजना के तहत 1.05 लाख कनेक्शनों में से पचास फीसदी लोगों ने गैस लेना ही बंद कर दिया था। लेकिन, चुनाव के समय उज्जवला गैस सिलेंडर के भाव पांच सौ रुपए प्रति सिलेंडर कर दिए गए। इसके बाद लोगों ने धड़ल्ले से इसका उपयोग शुरु कर दिया। हालांकि अब इस सिलेंडर पर भी पचास रुपए भाव बढ़ा दिए गए है।

डेढ़ साल में 12 बार बढ़े थे दाम...

जनवरी 2021 से 2022 में 14.2 किलोग्राम घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 765 रुपए थे। इसके बाद 2022 तक एक दर्जन बार दामों में बढ़ोतरी हुई। जून 2021 में 887 रुपए प्रति सिलेंडर कीमत पहुंची। जुलाई 2021 में 25.50 रुपए की बढ़ोतरी के साथ दाम 912 रुपए हो गए। सितंबर में 960 रुपए 50 पैसे हो गए। इसके बाद 1025 रुपए कीमत पहुंच गई। मई 2022 में 50 रुपए की बढ़ोतरी के साथ दाम 1075 रुपए 50 पैसे तक आ गए। जुलाई 2021 में फिर 50 रुपए की बढ़ोतरी के साथ दाम 1129 रुपए हो गए थे। इसके बाद जुलाई 2023 में दाम 1180 रुपए किए गए। हालांकि इसके बाद भाव में गिरावट हुई।

पेट्रोल...केरोसीन और अब सिलेंडर...

सब्सिडी के मामले में पेट्रोल, डीजल, केरोसीन के बाद अब सिलेंडर का नंबर लगा है। वर्ष 2010 में तत्कालीन सरकार ने कंपनियों को पेट्रोल पर सब्सिडी देना बंद कर दिया। इसके बाद से लोगों की जेब पर असर होना शुरु हुआ। वर्ष 2014 में डीजल व इसके बाद केरोसिन पर भी सब्सिडी खत्म कर दी। इससे भी आमजन को महंगाई की मार पड़ी। अब एलपीजी सिलेंडर पर भी एक तरह से सब्सिडी समाप्त हो गई है। सरकार ने इससे पूर्व स्वेच्छा से सब्सिडी छोड़ने का विकल्प दिया था।

ऐसे तय होती है गैस सिलेंडर की कीमत...

तेल कंपनियां हर महीने पिछले महीने के अंतरराष्ट्रीय मूल्यों, एक्सचेंज रेट और अन्य लागतों के आधार पर एलपीजी की बेस प्राइस तय करती हैं। इसके बाद टैक्स, ट्रांसपोर्ट और डीलर कमीशन जोड़कर खुदरा मूल्य निकाला जाता है। सब्सिडी वाले सिलेंडर के लिए सरकार अंतर की भरपाई करती है।जबकि, गैर सब्सिडी वाले सिलेंडर की पूरी कीमत ग्राहक चुकाता है।

वकीलों का नीमच बंद सफल, सभी वर्ग ने किया सहयोग

नीमच, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टोरेट के पास बने नए कोर्ट भवन में वकील व पक्षकारों के लिए उचित बैठक व्यवस्था, वर्तमान में बने 04-04 हजार वर्ग फिट के दो बार रूम मे 431 वकील टेबल-कुर्सी लगाकर कार्य करने में आपत्ति,वकीलों को काम करने के लिए वैकल्पिक रूप से बैठने की व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं सहित अन्य मांगों को लेकर अभिभाषक विगत 07 दिनों से अनिश्चितकालीन हड़ताल के साथ ही आंदोलन रत है।

आंदोलन की इसी कड़ी में अभिभाषक संघ ने सर्व समाज और सभी वर्ग के साथ मिलकर सोमवार 07 अप्रैल को नीमच बंद का आव्हान किया था। जिसको लेकर सभी अभिभाषक प्रात: 8:00 बजे ही नीमच पुरानी कोर्ट परिसर में एकत्रित हुए। जहां से सभी वाहन रैली के रूप में शहर में गुजरे और खुली दुकानो के संचालाके से दुकान बंद रख समर्थन का आव्हान किया। वकीलों के इस निवेदन को हर वर्ग में सहर्ष स्वीकार करते हुए उनका सहयोग किया और नीमच बंद रख वकीलों की मांग को जायज बताया। अभिभाषक संघ के बंद आव्हान पर नीमच की अधिकतर दुकानें दोपहर 1:00 बजे तक बंद रही।

गरोठ के वकील भी हड़ताल पर...!

गरोठ, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। न्यायालय के पश्चिम दिशा में स्थित मार्ग को प्रशासन की ओर से बंद कर दिए जाने के विरोध में अधिवक्ता हड़ताल पर हैं। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनूप शर्मा का कहना है कि मंदसौर कलेक्टर के खिलाफ न्यायालय में दर्ज अवमानना प्रकरण के बाद यह कार्रवाई की गई है। न्यायालय की स्थापना 1905 में हुई थी। 1908 में पश्चिम दिशा में एक मार्ग बनाया गया था। यह मार्ग न्यायालय तक पहुंचने के लिए जरूरी है। अधिवक्ताओं का आरोप है कि बिना किसी पूर्व सूचना के इस मार्ग को बंद कर दिया गया है।

तहसील न्यायालय के बहिष्कार की चेतावनी

अधिवक्ता संघ ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश से मुलाकात कर स्थिति से अवगत कराया है। प्रशासन से कई बार पत्राचार किया गया है। लेकिन, अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। एसडीएम को चेतावनी दी गई है कि अगर मार्ग नहीं खोला गया तो गरोठ तहसील न्यायालय का बहिष्कार किया जाएगा। क्षेत्रीय विधायक चंदर सिंह सिसोदिया ने अधिवक्ताओं से मुलाकात की है। उन्होंने प्रशासन से चर्चा कर समस्या का जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया है।

इधर आज जिले में भी वकील हड़ताल पर

नीमच में नवीन जिला न्यायालय भवन में अधिवक्ताओं के लिए बैठक व्यवस्था न होने को लेकर नीमच में अभिभाषक संघ आंदोलनरत है। इसी को लेकर मंदसौर अभिभाषक संघ ने नारायणगढ़, सीतामऊ, गरोठ और भानपुरा के अभिभाषकों को पत्र लिखा है। जिसमें नीमच अभिभाषक संघ के समर्थन में आज 08 अप्रैल को कार्य से विरत रहने की अपील की गई है।

तेज गरमी में लग रहे स्कूल, नन्हे-मुन्ने और स्टॉफ हलाकान

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सोमवार को गरमी ने मई की स्थिति को बयां कर दिया। सोमवार को पारा 41 डिग्री पर पहुंच गया। यह इस सीजन का सबसे अधिक तापमान है। फिर भी जिला प्रशासन ने स्कूलों के समय में बदलाव नहीं किया। जबकि, आसपास के जिलों में स्कूलों का समय दोपहर 01 बजे तक कर दिया गया है।

भीषण गर्मी के बावजूद हमारे यहां स्कूल पुराने समय पर लग रहे हैं। सरकारी स्कूल सुबह 10 से शाम 4.30 बजे तक लग रहे हैं। वहीं प्राइवेट स्कूल सुबह 7.30 से दोपहर 2.30 से 3 बजे तक लग रहे हैं। इस कारण बच्चे भीषण गर्मी में स्कूल जा रहे हैं। जबकि, अन्य जिलों में स्कूलों का समय बदल कर सुबह 7.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक कर दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार बड़वानी, राजगढ़, गुना, झाबुआ सहित प्रदेश के 18 जिलों में गर्मी के चलते स्कूलों का समय सुबह 7.30 से दोपहर 1 बजे तक कर दिया गया है। हमारे यहां भी स्कूलों का समय बदलना चाहिए। मप्र शिक्षक संघ के पदाधिकारियो ने बताया कि एक अप्रैल से स्कूल शुरू हो चुके हैं। भीषण गर्मी में भी स्कूल सुबह 10.30 से शाम 4.30 बजे तक लग रहे हैं। इससे स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति कम हो गई है और 25 से 30 बच्चे स्कूल पहुंच रहे हैं। गरमी को देखते हुए प्रदेश के 18 जिलों में स्कूलों का समय बदल कर सुबह का कर दिया गया है। लेकिन अपने मंदसौर जिले में जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। भारी गरमी को देखते हुए स्कूलों का समय सुबह 7.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक होना चाहिए।

गरमी ज्यादा गिरेगी, सावन-भादों में खूब बारिश होगी, राजनीतिक उठापटक भी होगी

गौठड़ा माताजी ने की हजारों श्रृद्धालुओं की मौजूदगी में भविष्यवाणी

जावरा, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। चैत्र नवरात्री के समापन पर उज्जैन जिले के खाचरोद तहसील क्षेत्र एवं जावरा मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर ग्राम गोठडा स्थित मां महिषासुरमर्दनी के पंडा नागुलाल गायरी ने 41 डिग्री तापमान की गरमी में भविष्यवाणी की। जिसे सुनने के लिए हजारों श्रृद्धालु पहुंचे थे। चिलचिलाती गर्मी में जावरा, रतलाम, मंदसौर, उज्जैन समेत दूर-दूर से श्रृद्धालु माताजी की भविष्यवाणी सूनने के लिए आऐ थे।

माताजी ने इस वर्ष की भविष्यवाणी करते हुए कहा कि इस वर्ष राजनीतिक उठापटक होगी। लेकिन, देश का राजा नहीं बदलेगा। गर्मी भी खूब पडेगी और सावन-भादवा में बारिश भी अच्छी होगी। दुर्घटनाऐ ज्यादा होगी, बीमारियों का प्रकोप रहेगा, सोयाबीन में इल्ली का प्रकोप रहेगा, लहसून और प्याज के दाम अच्छे रहेंगे।

माताजी ने करीब 13 मिनिट की भविष्यवाणी में बताया कि इस वर्ष दंगे और दुर्घटनाऐं बहुत होगी। आंधी-तूफान का प्रकोप ज्यादा रहेगा। जिसके कारण नुकसान भी ज्यादा होगा। आगजनी की घटनाऐ खुब होगी, ओलावृष्टि भी ज्यादा होगी। लेकिन, बारिश खंड-खंड होगी। सावन और भादवा में वर्षा ज्यादा होगी, आठमावठेहोगे। बीमारियों का प्रकोप रहेगा।

माताजी ने कहा कि लहसुन प्याज के भाव अच्छे रहेंगे। सोयाबीन में इल्ली पडेगी, टमाटर की पैदावार खूब होगी। मानव को गौरक्षा, बेटी रक्षा और ब्राह्मण रक्षा पर ध्यान देना होगा। इस कलयुग में बेटियां भी मनमानी कर रहीं है, बेटी पिता को नहीं पहचान रहीं, बेटा बाप के साथ मारपीट कर रहा है। जिसका भगवान के पास भी कोई हल नहीं है। माताजी की भविष्यवाणी सुनने के लिए मध्य प्रदेश के अनेक जिलों व समीप के प्रांत गुजरात, छत्तीसगढ व राजस्थान से भी माताजी के भक्त यहां आए थे।

गोठड़ा के विकास की मांग...

भविष्यवाणी सुनने के लिए गोठडा पहुंचे लोगो ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से मांग की है कि गोठडा माताजी गांव मुख्यमंत्री के गृह जिले उज्जैन का है, जहां साक्षात माताजी विराजित है। इसलिए उज्जैन के महाकाल लोक की तरह गोठडा को महिषासुर मर्दनी लोक घोषित कर इसे विकसित किया जाए। गोठडा निवासी 75 वर्षीय श्रीमती संपत बाई गहलोत ने मीडिया से कहा कि कई वर्षों से माताजी की सही-सही भविष्यवाणी हो रही है और हजारों लोग यहां आते हैं।

वर्तमान सरकार के नेता के खिलाफ डॉ. लोहिया की तरह विपक्षी सांसद प्रश्न उठा सकते हैं...!

मंदसौर/उज्जैन, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कट्टर विरोधी थे तत्कालीन सांसद डॉ राम मनोहर लोहिया, जिनके नेहरू पारिवारिक मित्र थे। बावजूद उसके लोहिया को नेहरू सरकार का कट्टर विरोधी माना जाता था। 1962 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के फूलपुर से नेहरू के सामने प्रत्याशी थे डॉ राम मनोहर लोहिया। जवाहरलाल नेहरू से यह चुनाव 60 हजार मतों से जीते थे। इसके बाद 1963 में फरुखाबाद से उपचुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे थे।

डॉ लोहिया किसानों, मजदूरों और निचले तबके के अधिकार के लिए हमेशा सरकार को सदन में घेरा करते थे। 1962 के भारत -चीन युद्ध के बाद जब प्रधानमंत्री नेहरू ने सदन में कहा था कि चीन ने जिस जमीन पर कब्जा किया है, वहां घास का तिनका भी पैदा नहीं होता है। जवाब में तत्कालीन केंद्रीय मंत्री महावीर त्यागी जो गंजे थे, उन्होंने प्रधानमंत्री को अपना सर दिखाते हुए कहा था कि मेरे सिर पर बाल नहीं उगते हैं तो क्या सर कटवा दूं ! डॉक्टर लोहिया ने भारत को जमीन खाली कर पीछे हटने पर उठाया गया प्रश्न की जरा से विरोध में जमीन खाली कर पीछे हटना सत्ता के मन की कमजोरी नहीं तो और क्या है! प्रश्न काल का समय खत्म होने वाला था, नेहरू ने टालने के लिए कहा यह तो प्रश्न काल को बढाना है क्या? इस सवाल का जवाब अभी दूं! तब लोहिया ने सदन में कहा था कि प्रधानमंत्री को सदन को जवाब देना ही होगा प्रधानमंत्री यह ना भूले कि वह सदन के नौकर है मालिक नहीं, मालिक के साथ नौकर को अच्छे से बात करना चाहिए। नेहरू ने स्पीकर से कहा था लोहिया को थामिए, ऐसी बातें सदन में नहीं कही जाती है। तब भी लोहिया का जवाब था कि आपको मेरी आदत डालना पड़ेगी मैं तो ऐसा ही रहूंगा।

चन्द्रमोहन भगत

प्रधानमंत्री और डॉक्टर लोहिया के सदन में ऐसे ही प्रतिरोधी संवाद लगातार चलते रहे थे। डॉक्टर लोहिया ने यह प्रश्न भी पूछा था कि जब देश के आम आदमी का खर्च तीन आना भी नहीं मिल पा रहा है तब नेहरू के कुत्ते पर 3 रुपए प्रतिदिन खर्च निश्चित है तथा प्रधानमंत्री पर 25 से 30 हजार रुपए। डॉ लोहिया की संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी का नारा था 'संशोपा ने बांधी गांठ, पिछड़े पावे सौ में साठ' न्यूनतम मजदूरी की मांग करने वाले पहले सांसद थे नारा था 'किसानों-मजदूरों के दाम बांधों' पंचायती राज के लिए नारा था 'चौखंबा राजा।' सिद्धांत वादी ऐसे थे कि केरल में किसानों पर लाठी चार्ज के मामले में अपनी ही संविद सरकार से इस्तीफा मांग लिया था, ना देने पर खुद ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पद त्याग दिया था।

साठ साल पहले के संसदीय वातावरण के प्रश्नकाल प्रसंग को इसलिए चिन्हित किया गया कि क्या वर्तमान संसद में किसानों, मजदूरों, आम जनता के लिए इस तरह के मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष के सामने विपक्ष खड़ा हो सकता है! कहा जा रहा है और हो भी रहा है कि वर्तमान सरकार अपना विरोध करने वालों पर सरकारी एजेंसियों से हमले करवाती है। तब तो यह भी कहा जाना वाजिब है कि डॉक्टर लोहिया की तरह नैतिक चरित्र के आधार पर सांसद बने हैं तो एजेंसियों का डर करीब भी नहीं आएगा। भारतीय लोकसभा सदन के यह पूर्व प्रसंग लोकतंत्र की नैतिकता और अधिकार की प्रस्तुति है, जिसे देखना सुनना अब दिवास्वप्न जैसा हो गया है।

विचार-मंथन

कांचा जंगल पर हक की जंग...

जंगलों की कटाई को लेकर अक्सर सवाल उठते, आंदोलन उभरते रहते हैं, पर हकीकत यही है कि जंगल कटने बंद नहीं होते। हसदेव का जंगल कटना शुरू हुआ, तो देश भर के पर्यावरण प्रेमी चिंतित नजर आए, लंबे समय तक आंदोलन चला, मगर उसका कटना नहीं रुक पाया। अब वैसा ही आंदोलन हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के पास कांचा गाचीबोवली वन क्षेत्र के चार सौ हेक्टेयर भूखंड पर अधिग्रहण और पेड़ों की कटाई को लेकर शुरू हो गया है। विश्वविद्यालय के छात्र और पर्यावरणकर्मी इस क्षेत्र को संरक्षित वन क्षेत्र घोषित करने की मांग कर रहे हैं। जब आंदोलन उग्र रुख अख्तियार करता दिखा, तो सर्वोच्च न्यायालय ने अगले आदेश तक किसी भी गतिविधि पर रोक लगा दी। दरअसल, हैदराबाद विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि इस भूखंड पर मालिकाना हक उसका है, जबकि राज्य सरकार उसे अपना बता रही है। सरकार उस क्षेत्र को साफ करके वहां औद्योगिक क्षेत्र बनाना चाहती है। मगर आंदोलनकारियों का कहना है कि यह क्षेत्र संवेदनशील है और इसमें साढ़े चार सौ से अधिक वन्य प्रजातियों का बसेरा है। इसे संरक्षित क्षेत्र घोषित करना चाहिए। हालांकि यह विवाद नया नहीं है। करीब ढाई वर्ष पहले वहां के उच्च न्यायालय ने फैसला दिया था कि विश्वविद्यालय के पास इस जमीन के मालकियत का कोई उचित दस्तावेज नहीं है। उस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई, तो उसने उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि जमीन पर मालिकाना हक राज्य सरकार का है। उसी आधार पर राज्य सरकार ने उस क्षेत्र का व्यावसायिक उपयोग करने का निर्णय किया था। मगर यह सवाल अपनी जगह है कि सरकार ने उस क्षेत्र के वन्य प्राणियों के पुनर्वास की क्या योजना बनाई है। यह सवाल सर्वोच्च न्यायालय ने भी पूछा है। अदालत ने जानना चाहा है कि क्या इसके लिए सरकार ने पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्रमाणपत्र लिया है। ये तथ्य तो अदालती सुनवाई के दौरान पता चल सकेंगे, पर असल मुद्दा है कि आज जब जलवायु परिवर्तन का दुष्प्रभाव सब ओर नजर आने लगा है, सरकारों को वन क्षेत्र की सुरक्षा का सवाल गंभीर क्यों नहीं जान पड़ता। सरकार का किसी भूखंड पर स्वामित्व होने का यह अर्थ कतई नहीं होता कि उसे पर्यावरण और वन्यजीव अधिनियम की फिक्र करने की कोई जरूरत नहीं। आखिर उद्योगीकरण की भूख इतनी विकराल क्यों हो गई है कि पारिस्थितिकी का सवाल वहां कोई मायने ही नहीं रखता। इसी हफ्ते संसद में एक सवाल के जवाब में केंद्र सरकार ने बताया कि पच्चीस राज्यों से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक अब तक करीब तेरह हजार वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र पर अतिक्रमण हो चुका है। यह क्षेत्र कुछ छोटे राज्यों के आकार के बराबर है। वैसे ही बिगड़ते पारिस्थितिकी संतुलन और तेजी से शुष्क हो रही हवाओं के कारण जंगलों के जीवन पर गंभीर खतरा मंडराने लगा है, उसमें अगर सरकारें खुद विकास के नाम पर जंगल उजाड़ने पर तुली हैं, तो चिंता स्वाभाविक है। प्राकृतिक रूप से बने जंगलों पर आखिर किसका अधिकार होना चाहिए, यह परिभाषित करना जरूरी है, इसलिए सड़कों, भवनों, औद्योगिक इकाइयों आदि के लिए पर्यावरण प्रभाव का माकूल मूल्यांकन करने के बजाय सरकारों की इच्छा सर्वोपरि मान ली जाती है। इससे संबंधित कानून बहुत कमजोर कर दिए गए हैं, विकास का मुद्दा बड़ा हो गया है। इस पर फिर से संवेदनशील तरीके से विचार की जरूरत है।

गंभीर खतरे की घंटी है प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक

ललित गर्ग

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए। माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि माइक्रोप्लास्टिक जीवन में हैं, हवा में हैं, पानी में हैं, नदी में हैं, समुद्र में हैं, बारिश में हैं, और इन सबके चलते वे हमारे भोजन में भी हैं, हम मनुष्यों के भी, पशुओं के भी और शायद सभी प्राणियों के जीवन में भी हैं। लगातार दूषित होते जल, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और भूमि क्षरण जैसे मुद्दों पर सरकार की जागरूकता एवं सहयोग का भरोसा दिलाया जाता रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए सरकार ने ठान लिया है कि भारत में सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी। चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए? वैज्ञानिकों ने पाया है कि प्लास्टिक हम सबके शरीर में किसी-न-किसी के रूप में पहुंच रहा है। कैसे पहुंच रहा है, इसे जानने के लिए हमें पिछले दिनों अमेरिका के कोलोराडो में हुए एक अध्ययन के नतीजों को समझना होगा। अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। देखने में आ रहा है कि कथित आधुनिक समाज एवं विकास का प्रारूप अपने को कालजयी मानने की गफलत पाले हुए है और उसकी भारी कीमत माइक्रोप्लास्टिक के कहर के रूप में चुका रहा है। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर मोदी सरकार ने कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। क्या कुछ छोटे, खुद कर सकने योग्य कदम नहीं उठाये जा सकते? पूरी दुनिया के लिए सिरदर्द बन चुके जल और वायु प्रदूषण से बचने के लिए विश्वभर में नए-नए उपाय किए जा रहे हैं। जबकि प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। लेकिन अगर आप सोचते हैं कि प्लास्टिक सिर्फ हमारे आस-पास रहने वाले अबोध जानवरों के पेट में ही पहुंच रहा है, तो आप गलत हैं। अध्ययन में पता चला था कि लगभग सभी ब्रांडेड बोतल बंद पानी में भी प्लास्टिक के ये सूक्ष्म कण मौजूद हैं। कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं।

कब टूटेंगे बेड़ियों के ये बंधन...?

संगीता सहाय

आधुनिक दौर में भी हमारा समाज पितृसत्तात्मक राग में ही डूबा है। तमाम हकों-हुकूक के बावजूद स्त्रियों को कई प्रकार के तयशुदा मानकों में बांधने की कोशिशें की जाती हैं। हमारे घरों, मोहल्लों, कार्यालयों- हर तरफ स्त्रियों के प्रति दोहरी मानसिकता को प्रदर्शित करते अनेक मुहावरे, उक्तियां, व्यवहार प्रदर्शन आदि को सहजता से देखा जा सकता है। अगर कोई लड़की घरेलू काम की तुलना में अपनी पढ़ाई-लिखाई पर ज्यादा ध्यान देती है तो अक्सर उसे सुनने को मिल जाता है कि 'कितना भी पढ़ लो, आखिरकार तुम्हें रोटी ही बेलनी है'। यह भी कि 'लड़की जात हो, अपनी औकात में रहो'। अगर कोई लड़की काम के सिलसिले में देर रात तक घर लौटती है, तो उसे लेकर लोग बगैर विचार किए उलटी-सीधी बातें करने लगते हैं। कोई स्त्री या लड़की अपने अधिकारों की बात करती है या अपने फैसले स्वयं लेती है, तो वह समाज के लिए घातक मान ली जाती है। इस तरह की सोच और ऐसे व्यवहार पग-पग पर स्त्रियों के विकास में रोड़े बनकर खड़े हैं। खबरों में तो लोग महिलाओं के विकास की बातें खूब चाव से देखते-सुनते हैं, पर बात जैसे ही अपने घर की या मोहल्ले की बहू-बेटी की होती है, तो वे घोर परंपरागत होने लगते हैं। हमारे समाज में मातृत्व को लेकर अत्यंत भ्रामक मानक गढ़े गए हैं। विभिन्न ग्रंथों, उक्तियों आदि के द्वारा स्त्री के संपूर्ण जीवन से ज्यादा उसकी कोख के महत्त्व को दर्शाया गया है। तरह-तरह के शब्दगुच्छों से उसका महिमामंडन किया गया है। कोख के अलावा उसके शेष जीवन का कोई मोल नहीं। अंतरिक्ष अभियान पर गई सुनीता विलियम्स का 286 दिनों तक फंसे रहने के बाद सफल वापसी पूरे विश्व में चर्चा का विषय बना। सुनीता के भारत की बेटी होने के नाते हमारे देश में भी उनकी वापसी की खुशी को जश्न के तौर पर मनाया गया। सबने उनकी उत्कृष्ट सफलता और मजबूत इच्छाशक्ति की सराहना की। पर इस तरह की चर्चा के बीच कुछ खबरों में संतानहीनता पर भी बात की गई। जबकि ऐसी कई महिलाएं हैं, जिन्होंने अपने भविष्य, समाज के लिए कुछ अलग करने की सोच या अन्य वजहों से अपनी संतान नहीं लाने का फैसला किया। ये महिलाएं हर स्तर पर सफल और सक्षम हैं और अपनी जिंदगी से बहुत खुश भी। उन्हें भी अक्सर परिवार और समाज के तानों और कुबोलों का सामना करना पड़ता है। उन पर नियमों को तोड़ने, मनमानी करने आदि का आरोप लगाया जाता है। उन्हें बार-बार स्त्री होने की हदों का अहसास कराया जाता है। दूसरी तरफ ऐसा ही निर्णय अगर एक पुरुष लेता है तो उसके इच्छा को महत्त्व देते हुए सहजता से स्वीकार कर लिया जाता है। हर मनुष्य को अपनी इच्छानुसार जीवन जीने का अधिकार है। हालांकि ऐसे अधिकार पुरुषों को तो जन्म से ही मिल जाता है, पर जैसे ही स्त्री की चाहतों और स्वतंत्रता की बात आती है, पितृसत्तात्मक समाज द्वारा रचे गए नियम और परंपराओं की बंदिशें फन उठाए खड़ी हो जाती हैं। यह सही है कि स्त्रियां तमाम वर्जनाओं और साजिशन रचे गए नियमों को ढाह कर हर प्रकार की उपलब्धियां हासिल कर रही हैं और विकास के शिखर तक पहुंच रही हैं। पर आज भी बहुत कुछ ऐसा है, जो अत्यंत दुरूह है। ज्यादातर स्त्रियों, विशेषकर आर्थिक रूप से पराश्रित स्त्रियों का मान-सम्मान उनके संतानवती (विशेषकर पुत्रवती) होने के इर्द-गिर्द ही घूमता है। एक स्त्री को कोख से ऊपर न मानने की सामाजिक सोच उसे सामान्य मनुष्य भी नहीं रहने देता। 'तुम्हें फलाना काम करना है और फलाना नहीं', वाली बात स्त्री के हर कदम पर दोधारी तलवार के रूप में खड़ी की गई हैं। आज भी ज्यादातर स्त्रियों, चाहे वे गृहिणी हों या नौकरीपेशा, लगभग सभी अपनी इच्छा-अनिच्छा को परे धकेलते हुए सामाजिक मानकों के अनुरूप अपने जीवन को ढालते, रचते, बसते पूरी उम्र बिता देती हैं। उनके लिए अपनी मनमर्जी से जीने का ख्वाब उस 'आकाश कुसुम' जैसा होता है, जिसे सिर्फ बंद आंखों से महसूस किया जा सकता है, जीवन में उतारा नहीं जा सकता। एक ओर पुरुषों की उपलब्धियां उन्हें सम्मान देती हैं, लेकिन जैसे ही किसी स्त्री की सफलता की बात होती है, उसमें उसके निजी जीवन की चर्चा भी साथ-साथ होने लगती है। गौरतलब है कि ऐसी बातें भारत ही नहीं, अमेरिका, इंग्लैंड सहित विश्व के तमाम देशों में कमोबेश होती हैं। आम महिलाओं को तो कदम-कदम पर ऐसी स्थितियों से दो-चार होना पड़ता है।

दिल्ली या यूपी, कौन मारेगा बाज़ी

महानगरों के प्रदूषण से बचने के लिए लोग पहाड़ों का रुख करते हैं, पर अब तो वो भी इससे अछूते नहीं रहे। वायु गुणवत्ता पर निगरानी रखने वाली स्विस कंपनी आईक्यू एयर की हालिया रिपोर्ट की मानें तो मेघालय का बर्नीहाट दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गया है। ऊंचे झरनों और पारदर्शी नदियों वाले पूर्वोत्तर के इस खूबसूरत राज्य का नाम सबसे खराब हवा के मामले में अव्वल आना चौंकाने वाला है। इसकी खूबसूरती पर दाग लगाने के लिए भी वही कारण जिम्मेदार हैं, जो शहरों की हवा बिगाड़ रहे। सीमेंट, स्टील संयंत्रों से निकलने वाले धुएं और इनका माल ढोने वाले हजारों ट्रकों की आवाजाही ने यहां की हवा को विश्व स्वास्थ्य संगठन के तय मानकों से 22 गुना अधिक ज़हरीला बना दिया। रिपोर्ट से साफ है कि प्रदूषण अब सिर्फ महानगरों की ही समस्या नहीं रह गया, बल्कि छोटे शहरों को भी ये अपनी चपेट में ले चुका है। इसकी गंभीरता का अंदाज़ा इसी से लगाइए कि दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों की लिस्ट में 13 भारत के हैं। दिल्ली एक बार फिर दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बन गई है। इसके कुछ दिन बाद आई सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायर्नमेंट की रिपोर्ट भी यही बता रही है कि बीती सर्दियों में दिल्ली सबसे प्रदूषित महानगरों में रही। 40 दिन तक तो हवा की गुणवत्ता बेहद ही खराब श्रेणी में रही। सवाल यह है कि आखिर समस्या इतनी विकराल कैसे होती जा रही? इसका जवाब संसद में पेश हालिया रिपोर्ट में मिल जाता है। इसके मुताबिक इस वित्त वर्ष में प्रदूषण नियंत्रण योजना के लिए आवंटित 858 करोड़ रुपये में से मात्र 7.22 करोड़ रुपये यानी एक प्रतिशत से भी कम राशि खर्च की गई। सरकारी तंत्र के ऐसे ढुलमुल रवैये की वजह से ही हवा के साथ साफ पानी के लिए भी हम तरस रहे हैं। हाल में आई दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल कमिटी की रिपोर्ट के अनुसार राजधानी में बह रही यमुना नदी सीवेज बनकर रह गई है। इसमें फेकल कोलीफॉर्म (ह्यूमन वेस्ट से पानी में आने वाला बैक्टिरिया) का स्तर तय मानक से 6400 गुना अधिक पाया गया। वहीं, जलीय जीवों के लिए जरूरी ऑक्सिजन का स्तर भी तय मानक से 72 गुना कम हो चुका है। दिल्ली में अनट्रीटेड सीवेज और इंडस्ट्रियल वेस्ट के लंबे समय तक यमुना में गिरने की वजह से इसकी यह हालत हो गई है। यमुना की ऐसी हालत के पीछे एक और बड़ा कारण है और वह यह कि इस नदी को लेकर यहां सिर्फ राजनीति ही हुई, काम नहीं। नदी को साफ करने का वादा कर सत्ता में आई दिल्ली की नई सरकार की सीएम दावा कर रही हैं कि यमुना को भी अहमदाबाद के साबरमती रिवर फ्रंट की तरह चमका देंगी। अब इस पर कितना यकीन करें क्योंकि ऐसे दावे तो पिछली सरकार ने भी किए थे। 40 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने के लिए जो 500 करोड़ रुपये खर्च करने की बात सरकार कर रही है, वह भी नई नहीं है। पिछली सरकार ने भी कहा था कि गंदे नालों का पानी अब नदी में ट्रीट होकर ही जाएगा, वह आज तक नहीं हुआ और आगे भी होगा, कोई गारंटी नहीं। इसके अलावा, राजधानी में पहले ही बड़े मसलों की इतनी भरमार है कि जो हर बार यमुना सफाई के मुद्दे पर हावी हो जाते हैं। अब इस बार भी बजट का बड़ा हिस्सा मुफ्त की रेवड़ियों पर चला जाएगा तो बाकी के लिए पैसा कहां से आएगा, इसका जवाब फिलहाल सरकार के पास भी न हो। बहरहाल, दिल्ली में यमुना कब चमकेगी पता नहीं, लेकिन यूपी के सीएम योगी ने मथुरा में 30 किमी लंबे यमुना रिवरफ्रंट को अगले 6 साल के भीतर तैयार करने का ऐलान कर दिया है। देखते हैं, यमुना को जीवनदान देने के मामले में दिल्ली और यूपी में से कौन बाज़ी मारता है।

आज का राशिफल

मेष : [illegible] शुभांक-3-7-9

वृषभ : [illegible] शुभांक-3-6-6

मिथुन : [illegible] शुभांक-3-6-9

कर्क : [illegible] शुभांक-5-6-9

सिंह : [illegible] शुभांक-3-5-7

कन्या : [illegible] शुभांक-3-4-8

तुला : [illegible] शुभांक-3-5-8

वृश्चिक : [illegible] शुभांक-4-6-9

धनु : [illegible] शुभांक-6-7-9

मकर : [illegible] शुभांक-5-7-9

कुंभ : [illegible] शुभांक-3-5-7

मीन : [illegible] शुभांक-3-4-6

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5559

	4			1				9
	7			6		1		
1	6	3	9					8
	3					2		
	5		7		2		1	
		6					3	
6					5	8	9	2
		5		2			6	
9				8			4	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5558

6	9	5	4	7	3	2	1	8
7	3	4	8	2	1	5	6	9
2	8	1	6	9	5	7	3	4
8	1	2	5	3	9	4	7	6
4	6	7	2	1	8	9	5	3
3	5	9	7	6	4	8	2	1
1	7	3	9	4	2	6	8	5
9	2	8	1	5	6	3	4	7
5	4	6	3	8	7	1	9	2

वर्ग पहेली 5559

संकेत: बाएं से दाएं

1. 26 जनू 2000 को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल द्वारा इस देश को टेस्ट का दर्जा दिया गया (4)
4. [illegible] (3)
6. किसी का नाम किसी बात आदि के लिए निश्चित करने की क्रिया या भाव (5)
8. [illegible] (2)
10. कलम से लिखा हुआ, कलम काटकर लगाया हुआ (3)
12. [illegible] (3)
13. महिला, स्त्री, नारी (3)
15. [illegible] (2)
16. आश्चर्य से भरा हुआ, विस्मय (4)
17. फौज में रहने वाला, फौज का (2)
18. स्याही को अंग्रेजी में यह कहते हैं (2)
20. पुराणानुसार [illegible] गंगा नदी में मिलने वाली एक [illegible] नदी (2)
23. यह [illegible] की राजधानी है जो प्रमुख [illegible] भी है (2)
24. [illegible] (4)

ऊपर से नीचे

1. [illegible] (6)
2. [illegible] (2)
3. शासन करने वाला, [illegible] (3)
4. [illegible] (8)
5. [illegible] (2)
7. [illegible] (2)
9. अक्षर, वर्ण (3)
11. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
14. प्रक्षालनकर्मी, प्रक्षालक (3)
16. [illegible] (3)
19. [illegible] (2)
22. मयूर, हमारा राष्ट्रीय पक्षी (2)

वर्ग पहेली 5558 का हल

सु	मि	त्रा	न	द	न	प	त
न		ज	ब	ल		जा	ल
य	म		र	प	ट		प
ना	न	क		ति		आ	गा
	दी		श		स	म	र
	छि	त	रा	ना		द	
बा	त		फ	ल		र	ब
बी		हू	ल		द	फ्ला	र

पोषण पखवाड़ा 08 से 22 अप्रेल तक चलेगा

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में पोषण पखवाड़ा अभियान की बैठक सुशासन भवन स्थित सभागार में आयोजित हुई। यह पोषण पखवाड़ा 8 अप्रेल से 22 अप्रेल 2025 तक जिले में चलाया जाएगा। सभी संबंधित विभागों को आयोजन को सफल बनाने एवं उचित सहयोगी प्रदान करें। प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री पीसी चौहान द्वारा पोषण पखवाड़ा की जानकारी प्रजेन्टेशन के माध्यम से दी। जीवन के प्रथम 1000 दिवस केंद्रित गतिविधियां श्र पोषण ट्रैकर में लाभार्थी मॉड्युल को लोकप्रिय बनाने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार श्र उचअच (समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन) मॉरुड्युल के माध्यम से कुपोषण का प्रबंधन श्र बच्चों में मोटापे को दूर करने के लिए स्वस्थ जीवनशैली को अपानाने पर बल की थीम है। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, जिलाधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर द्वारा पोषण की शपथ दिलाई गई –मैं सातवें राष्ट्रीय पोषण पखवाडे के शुभ अवसर पर प्रतिज्ञा करती हूं कि मैं अपने एवं परिवार के पोषण देखभाल हेतु अपने आंगनबाडी केंद्र के प्रति स्वयं एवं अपने परिवार को जागरूक बनाने का प्रयास करूंगी। जीवन के प्रथम 1000 दिवसों गर्भावस्था से लेकर शिशु के प्रथम 2 वर्ष के स्वास्थ्य गर्भवती महिला का शीघ्र पंजीयन, स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, टेक होम राशन, आयरन एवं कैल्शियम की गोलियां आदि हेतु प्रोत्साहित करूंगी। आंगनबाडी केंद्र के समस्त पात्र हितग्राहियों का पोषण ट्रेकर में पंजीयन एवं आधार सत्यापन सुनिश्चित करवाएंगे। उचअच अंतर्गत हमारे आस-पास के समस्त चिन्हित कुपोषित बच्चों के पोषण प्रबंधन में परिवार एवं कार्यकर्ता को सहयोग करूंगी। बच्चे स्वस्थ रहे एवं मोटापे से ग्रस्त ना हो इस हेतु उन्हें स्वस्थ जीवन शैली अपनाने में सहयोग करूँगी।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर व्याख्यान सम्पन्न

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डा.सुधीर रायजादा ने बताया कि महाविद्यालय में उमंग हैल्थ एंड वेलनेस एवं विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॅ.पी.एल.पाटीदार ने बताया कि प्रतिवर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर अधिकारों के बारे में जागरूकता बढाना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना को विश्व स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाता है जिसमें 194 एवं 02 अन्य सम्बद्ध देश है। 7 मार्च 2025 की थीम स्वस्थ शुरूआत आशावादी भविष्य है जिसमें मातृ एवं नवजात शिशु स्वास्थ्य पर वर्ष भर केन्द्रित रहेगा तथा मृत्यु दर कम हो, ऐसा प्रयास रहेगा। विश्व में प्रतिवर्ष 3 लाख महिलायें गर्भवस्था या प्रसव के कारण मृत्यु की शिकार हो जाती है। इसी प्रकार 02 मिलियन से अधिक बच्चे मृत पैदा होते है। भारत में 40 प्रतिशत बच्चों की मृत्यु जन्म के दिन ही हो जाती है। भारत में शिशु मृत्यु दर 1000 जीवित जन्मों पर 23 से अधिक है। इसी तरह मातृ मृत्यु दर 1 लाख महिलाओं पर लगभग 97 है। आपने युवा छात्राओं को आव्हान किया कि आप शिक्षित होने से समाज को स्वास्थ्य की दृष्टिसे जागरूक करें ताकि भारत का आशावादी भविष्य सार्थक हो सके। कार्यक्रम का संचालन रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डा.राजश्री ठाकुर ने किया एवं आभार उमंग हैल्थ एंड वेलनेस नोडल अधिकारी श्री मनीष पांचाल ने माना। कार्यक्रम में महाविद्यालयीन स्टाफ एवं 48 छात्रायें उपस्थित रही।

परशुराम कार्यालय और जल मंदिर का हुआ उद्घाटन

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सकल ब्राह्मण समाज द्वारा आगामी 29 और 30 अप्रैल को परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों के संचालन हेतु कार्यालय और प्यासे कंठों की प्यास बुझाने हेतु जल मंदिर का उद्घाटन सोमवार को किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में परशुराम जन्मोत्सव समिति संयोजक एवं जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा, जिला भाजपा अध्यक्ष राजेश दीक्षित, आध्यात्मिक गुरु शिवकरण प्रधान और पूर्व राजस्व अधिकारी रूपनारायण जोशी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन रमेशचंद्र चन्द्रे ने किया व हितेश शुक्ला ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। आभार प्रदर्शन राजेश पाठक द्वारा व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर सकल ब्राह्मण समाज अध्यक्ष दिलीप शर्मा, अरुण शर्मा जितेंद्र व्यास ,राजेश शुक्ला, पं. दिलीप दुबे, ललित भारद्वाज, कृष्णवल्लभ शास्त्री, वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी ,घनश्याम बटवाल ,एडवोकेट अजय सिखवाल, भरत जोशी ,दीपक मिश्रा , रविन्द्र पांडे ,सनत जोशी ,जितेंद्र पांडे, दीपक शुक्ला, नरेंद्र देवा देराश्री ,पुष्कर राज शर्मा ,प्रद्युम्न शर्मा , दिनेश नागर , देवेंद्र दुबे, श्री पंचारिया, श्री अग्निहोत्री सहित मातृ शक्ति के रूप विद्या उपाध्याय ,सीमा नागर , रेखा जोशी , बिंदु चन्द्रे ,प्रियंका राजोरा उपस्थित रही। ब्राह्मण समाज ने इस अवसर पर जल मंदिर और कार्यालय का शुभारंभ तो किया ही साथ ही देव चित्रों के प्रकाशन पर भी रोक लगाने का संकल्प किया है। चूंकि छपे चित्रों में देवताओं का अपमान होता है इसलिए यह निर्णय लिया गया। इस अवसर पर बताया कि भगवान परशुराम के जन्मोत्सव का महत्व हिंदू धर्म में बहुत अधिक है, और यह वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम की जयंती के रूप में मनाया जाता है। परशुराम जन्मोत्सव पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

राघव का बेसिक माउंटेनियरिंग कोर्स हेतु चयन

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। राघव जैन पिता सुभाष जैन जिला मंदसौर माउंटेनियरिंग सगठन के नेतृत्व में माउंटेनियरिंग कोर्स से सबंधित सभी एडवेंचर कोर्स, स्कीइंग कोर्स, पैराग्लाइडिंग कोर्स, एवं हाई एल्टीट्यूडट ट्रेकिंग कोर्स मंदसौर रहकर पूरे किए एवं एनसीसी कैडेट के रूप में कक्षा 12वीं सेंट थॉमस विद्यालय से उत्तीर्ण होने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय दिल्ली में प्रवेश लिया, जहां पर 1 दिल्ली जल सेना एनसीसी में परीक्षा उत्तीर्ण कर एनसीसी में भर्ती होने का अवसर प्राप्त किया जहां पर स्कूल समय में जो भी कोर्स किए गए हैं उन सभी कोर्स का बहुत बेनिफिट मिला और प्रथम वर्ष में ही भारत सरकार द्वारा संचालित पर्वतारोहण संस्थान में बेसिक माउंटेनियरिंग कोर्स हेतु चयन हुआ यह पूरे भारतवर्ष से प्रत्येक बटालियन से एक एक अलग-अलग छात्राओं का चयन हुआ जिसमें राघव ने अपने पूर्व प्राप्त किए प्रमाण पत्रों का बेनिफिट प्राप्त किया और भारत सरकार के भारतीय हिमालयन एडवेंचर एवं इको टूरिज्म केंद्र सिक्किम पश्चिम बंगाल में चयन हुआ। जहां पर पूरे भारत से चयनित छात्र-छात्राएं कोर्स के लिए पहुंचेंगे जिसमें मंदसौर का होनहार छात्र राघव जैन भी इस पर्वतारोहण कोर्स में हिस्सा लेंगे यह कोर्स दिनांक 8 अप्रैल से 5 मई 2025 तक सिक्किम में आयोजित होगा। राघव का चयन होने पर जिला मंदसौर माउंटेनियरिंग संगठन के संरक्षक डॉक्टर क्षितिज पुरोहित, कुलदीप सिंह सिसोदिया, पदेन अध्यक्ष एवं जिला कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग, पदेन उपाध्यक्ष एवं अनुविभागीय अधिकारी शिवलाल शाक्य, पदेन उपाध्यक्ष एवं जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवडा, कार्यकारी अध्यक्ष विजय सिंह पुरावत, कार्यकारी उपाध्यक्ष सचिन जैन, विश्व मोहन अग्रवाल, राकेश श्रीवास्तव, सहसचिव जेनिश बरडिया, कोषाध्यक्ष धीरज शुक्ला, माउंटेनियर कृष्णा दास, कृष्णा कनौजिया, सुश्री नेहा शर्मा, सुश्री रिंकू शुक्ला, सुश्री खुशी सिसोदिया, आदि ने बधाई दी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महासोम यज्ञ आयोजन को लेकर बैठक आज

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नगर में आगामी 13 से 18 अप्रैल तक होने जा रहे महोत्सव यज्ञ के आयोजन की तैयारी को लेकर समाज प्रमुखों व नगर के गण मान्य जनों की एक बडी बैठक 8 अप्रैल मंगलवार सायंकाल 7:00 बजे श्री वल्लभाचार्य नगर कालाखेत प्रांगण यज्ञस्थल पर आयोजित की गई है। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रहलाद काबरा ने नगर के गणमान्य जनों समाज प्रमुखों से अनुरोध किया है कि बैठक में सम्मिलित हों। यह जानकारी मिडिया प्रभारी हेमंत शर्मा ने दी है।

महानायक मंगल पांडे का बलिदान दिवस दशपुर जागृति संगठन आज मनायेगा

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। महान क्रांतिकारियों के लिए समर्पित देश का पहला संगठन लगातार 15 वर्षों से आजादी के महानायकों के बलिदान दिवस उनके कार्य उनके जन्मदिवस बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ रहा है उसी कडी में दशपुर जागृति संगठन क्रांतिकारी मंगल पाण्डे का बलिदान दिवस आज 8 अप्रैल को सायं 7.30 बजे भारत माता चौराहे पर मनायेगा।

1857 की क्रांति के महान नायक मंगल पांडे जिनको खुले रूप मात्र 22 वर्ष की उम्र में में फांसी दे दी गई थी पेड पर लटका कर फांसी देने वालों में मंगल पांडे ने हल्ला बोल के द्वारा अंग्रेजों के ऑफिस होकर अपने फांसी के समय सभी से निवेदन किया था की अंग्रेजों के खिलाफ आज आप हल्ला बोल एक साथ करना। उनका बलिदान दिवस भारत माता चौराहे पर आज 8 अप्रैल को संध्या 7.30 बजे भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित की उपस्थिति में मशाल प्रज्वलित के साथ राष्ट्र की शपथ एवं देश के अंदर क्रांतिकारियों की सम्मान की लडाई को और तेज करने का संकल्प लिया जाएगा। इस कार्यक्रम में संगठन के वरिष्ठ सदस्य डॉ देवेंद्र पुराणिक, हरिशंकर शर्मा, आरसी पांडे, चंद्र कुमार विश्नोई, इंजीनियर बीएस सिसोदिया, स्टीवर्ड जितेंद्र जैन एडवोकेट, अरुण गौड, सेवाभावी मनोज मंडोवरा, संरक्षक राजाराम तंवर, अजीजुल्ला खान खालिद, रविंद्र पांडे, परामर्शदाता सुनील बंसल, बलराम आशीष बंसल, पूर्व बैंक प्रबंधक केके दुबे, नवीन सदस्यता प्रभारी आशीष नलवाया ने सभी ने आह्वान किया है कि मंगल पांडे के कार्यक्रम में उपस्थिति अवश्य दर्ज करावे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी जयंत भावसार द्वारा दी गई।

अभिनेता मनोज कुमार को दी स्वरांजलि

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। दशपुर रंगमंच ने प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता मनोज कुमार की फिल्मों के गीत गाकर उनको श्रद्धासुमन अर्पित किये। कार्यक्रम की शुरूआत आबिद भाई ने पत्थर के सनम फिल्म का गीत पत्थर के सनम तुझे हमने मोहब्बत का खुदा जाना सुनाकर की। श्याम गुप्ता ने गीत चांद सी महबूबा हो मेरी कब ऐसा मैंने सोचा था सुनाया। कार्यक्रम संयोजक अभय मेहता ने मनोज कुमार के शहीद फिल्म के राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत गीत ए वतन ए वतन हमको तेरी कसम, तेरी राहों में जा तक लूटा जाएंगे सुनाकर भारत कुमार को श्रद्धांजलि दी। राजा भैया ने गीत महबूब मेरे तू है तो दुनिया कितनी हंसी है गाया। लोकेन्द्र पाण्डे ने गीत तौबा ये मतवाली चाल सुनाया। स्वाति रिछवरा ने गीत पूर्वा सुहानी आई रे पूर्वा तथा सिमरन बेलानी ने गीत एक प्यार का नगमा है गीत सुनाकर मनोज कुमार को याद किया। आशा तरवेचा ने गीत लो आ गई उनकी याद वो नहीं आये सुनाया। ललिता मेहता ने प्रसिद्ध देशभक्ति गीत मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे मोती सुनाया। डी.जे.सिंह ने भी अपनी प्रस्तुति दी। संचालन करते हुए अभय मेहता ने बताया कि मनोज कुमार ने अपनी फिल्मों से हर दिल में राष्ट्र भक्ति की लो जलाई है।

इंदौर में आयोजित राज्य स्तरीय यूसीमास प्रतियोगिता में मंदसौर से 28 बच्चे लेंगे भाग

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मास्टर प्रेंच्याइजी यूसीमास म.प्र. द्वारा 20वां राज्य स्तरीय यूसीमास प्रतियोगिता का आयोजन 25 व 26 अप्रैल को इन्दौर के अभय खेल प्रशाल में आयोजित होने जा रहा है। इस प्रतियोगिता में मंदसौर से 28 बच्चे भाग लेंगे। साथ ही 26 अप्रैल को मंदसौर के यूसीमास कोर्स इंस्ट्रक्टर नरेन्द्र कुमार का भी सम्मान प्रतियोगिता आयोजकों द्वारा किया जाएगा।

उक्त जानकारी देते हुए यूसीमास कोर्स इंस्ट्रक्टर नरेन्द्र कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु मंदसौर से 28 बच्चे भाग लेने जाएंगे। जिसमें भव्या डालवानी, रणवीर चंदवानी, प्रखर मण्डवारिया, नेहान इस्लाम, एंजल खाबिया, हिमानी पाटीदार, प्रियाशा चन्द्रावत, यशस्वी सांखला, युवराज खत्री अभिजीत बामनिया, प्रतीक चंदवानी, धार्मिक पोरवाल, समृद्धि सेनी, निरपेश शर्मा, रिषद पाटीदार, महिमा बाबानी, अदम्य पाटीदार, आध्या पारिख, नैतिक सोनी, सिद्धी बालवानी, साक्षी पाटीदार, भूमिका पाटीदार, सम्यक पारिख, रियांश पाटीदार, युवाम रैकवार, अनव्या छाबडा, सहर्ष पारिक, अनाया छाजेड भाग लेंगे। प्रतियोगिता में विजेताओं को 27 अप्रैल को रविन्द्र नाट्यगृह में अतिथियों के हाथों पुरस्कृत किया जाएगा। तथा राज्य स्तरीय इस प्रतियोगिता में विजेता बच्चे राष्ट्रीय यूसीमास प्रतियोगिता में भाग लेंगे। भाग लेने वाले बच्चे दो माह से नियमित रूप से यूसीमास की प्रेक्टिस कर रहे है। नरेन्द्र कुमार ने बताया कि विगत वर्ष आयोजित हुई इस प्रतियोगिता में मंदसौर के 23 बच्चों ने पुरस्कार प्राप्त किये थे। इस वर्ष भी बच्चों में इस प्रतियोगिता को लेकर काफी उत्साह है। इस प्रतियोगिता में पुरे मध्यप्रदेश के हजारों बच्चों भाग लेते है।

लोकमाता ने अपना जीवन जनसेवा के कार्यों में समर्पित किया-डॉ.भट्ट

मप्र शिक्षक संघ द्वारा लोकमाता अहिल्याबाई के जीवन दर्शन पर व्याख्यान सम्पन्न

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ जिला इकाई मंदसौर कुशाभाऊठाकरे प्रेक्षागृह पीजी कॉलेज मन्दसौर में पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई की त्रिशताब्दी जयंती पर उनके जीवन दर्शन पर आधारित व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष विक्रम शर्मा ने की। प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री विनोद कुमार पुनी द्वारा कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की गई।

मुख्य वक्ता अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की महामंत्री प्रोफेसर डॉ. गीता भट्ट ने अपने उद्बोधन में कहा आज एक बडा शुभ दिन है रामनवमी के दिन मंदसौर में भगवान पशुपतिनाथ की ऐतिहासिक नगरी में पुण्य श्लोक लोक माता अहिल्याबाई का पुण्य स्थान है। मालवा के इस क्षेत्र में आज से 300 वर्ष पूर्व लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी के द्वारा यहां अपना सुशासन चलाया गया। ऐसी पुण्य धरती पर मुझे आप सभी के साथ कुछ बिंदु रखने का अवसर प्राप्त हुआ लोकमाता अहिल्याबाई होलकरजी 300 वर्ष पूर्व एक ऐसी रानी जिन्होंने 30 वर्ष तक एक राज्य का शासन संभाला। अगर आप देखे तो आज के परिपेक्ष में तो किसी भी राजनेता के लिए 5 वर्ष के कार्यकाल के बाद पुन: जनता के बीच जाकर एक बार पुन: निर्वाचन होने के लिए आग्रह करना पडता है तो उसके समक्ष भी बडी चुनौती होती है और ऐसे 30 वर्षों तक लगातार एक राज्य का शासन संभालना लोकमाता अहिल्याबाई का पूरा कार्यकाल जो भारत के इतिहास में अनोखा कार्यकाल है जिसे भी अगर छुपाया जाए तो भारत की जनता से इसे ना बताया जाए तो यह बहुत बडा अन्याय होगा। लोकमाता ने अपना सम्पूर्ण जीवन जनसेवा के कार्यों में समर्पित कर दिया। प्रांतीय संगठन मंत्री श्री हिम्मत सिंह जैन द्वारा बताया कि लोक माता अहिल्याबाई के समय की न्याय व्यवस्था का एक उत्कृष्टतम उदाहरण तब प्रस्तुत किया। आज के इस कार्यक्रम में बहनों ने रामनवमी के अवसर पर उपस्थित होकर संगठन को एक नई ऊर्जा देने का कार्य किया जो अनुकरणीय है। लोकमाता अहिल्याबाई ने कहा सत्याधर्म मानवता की सेवा में है। आध्यात्मिकता ही जीवन का परम लक्ष्य है भौतिक सुखों से परे आनंद की अनुभूति देती है। लोकमाता ने अपना पूरा जीवन अपनी राजनीति अपने कार्य पद्धति को आध्यात्मिकता का आधार लेकर आगे बढाया है बडा दु:ख होता है जिस देश में लोकमाता ने आध्यात्मिकता की राजनीति की उस देश में आज ऐसे लोग हैं जो धर्म को राजनीति से अलग देखना चाहते हैं। प्रसन्नता का विषय है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से धर्म का सहयोग लेकर कैसे राजनीति की जा सकती है यह उदाहरण कुछ समय पहले प्रस्तुत हुआ। पूर्ण विश्वास है कि धर्म राजनीति में परम आवश्यक है यह सिद्ध होते-होते भारत विश्व गुरु बनेगा। प्रांताध्यक्ष श्री छत्रवीरसिंह राठौर द्वारा अपने उद्बोधन में बताया कि विद्या भारती के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को मध्य प्रदेश शिक्षक संघ द्वारा प्रस्ताव बना कर दिया गया कि सीएम राईज विद्यालय को सांदीपनि आदर्श विद्यालय नामकरण किया जाए जिस पर मुख्यमंत्री द्वारा प्रांताध्यक्ष के इस प्रस्ताव को स्वीकार कर विद्या भारती के कार्यक्रम में घोषणा कर सीएम राईज विद्यालय को सांदीपनि आदर्श विद्यालय नाम रखा गया। जिसका मध्य प्रदेश शिक्षक संघ ने आभार माना। कार्यक्रम का संचालन व्याख्यानमाला संयोजक शंकरलाल आंजना और जिला सचिव भरत पपोंडिया ने किया और आभार प्रदर्शन जिला कोषाध्यक्ष कांतिलाल राठौर ने माना। अंत में कल्याण मंत्र दीदी कल्पना नागदा द्वारा प्रस्तुत किया।

भारतीय सनातन संस्कृति के आदि 03 महायज्ञों में से एक महायज्ञ है सोम यज्ञ

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। भारत की करोडों वर्ष प्राचीन आदि और अनादि संस्कृति से अनादिकाल अर्थात प्रथम युग सतयुग से यज्ञों का क्रम जारी रहा है। वैसे भी विश्व में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जिसे यज्ञों का देश कहा जा सकता हैं। वर्ष भर में प्रत्येक रितु-प्रत्येक पर्व के प्रारंभ अथवा समापन के अवसर पर यज्ञों का आयोजन होता रहता है। यज्ञों का यह सिलसिला एक कुंडी से लेकर 5, एकादश, इक्कीस, इक्यावन, एक सौ एक से लेकर हजार कुण्डी अथवा उसे भी अधिक यज्ञ वर्तमान कलियुग में हुए है। अपने सम्प्रदाय धर्म के अनुसार राम कृष्ण रुद्र जगदम्बा (भवानी-शक्ति)-हनुमान-गायत्री आदि के यज्ञ होते आये है और जब तक सृष्टि है होते रहेंगे।

यज्ञ भी जैसा कि श्रीमद् भगवद्गीता के सत्रहवें अध्याय के श्लोक संख्या 11-12 और 13 में स्वयं भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को बताया है समस्त यज्ञों को सात्विक, राजस और तामस 3 श्रेणी में विभाजित किया है। जो यज्ञ शास्त्रीय विधि से करना ही कर्तव्य समझकर फल को नहीं चाहते हुए निष्काम भाव से किया जाता है उसे सात्विक तथा जो दम्भाचरण से फल को उद्देश्य में रखकर किया जाता है उसे राजस तथा शास्त्रीय विधि से हीन अन्नदान से रहित और बिना मंत्रों बिना दक्षिणा और बिना श्रद्धा के अपने निजी मतलब और दूसरों को कष्टदेने के लिये किया जाता है जैसा रावण मेघनाथ ने किया था जिसमें तापसी वस्तुओं को हवन में डाला जाता है, उसे तामस यज्ञ कहा गया है। प्राचीन काल में जिन 3 महायज्ञों अश्वमेध, राजसूय और सोम यज्ञ को विशेष उल्लेख और महत्व कहा है। प्रत्येक युग में अलग-अलग इन यज्ञों के आयोजित होने के उदाहरण मिलते है। चूंकि यहां चर्चा सोमयज्ञ की हो रही है योग गुरु बंशीलाल टांक ने बताया कि सोम यज्ञ भगवान पशुपतिनाथ की इस पावन नगरी में दूसरी बार हो रहा है। प्रथम बार भगवान पशुपतिनाथ परिसर में हुआ था जिसेक मुख्य प्रवर्तक प्रेरक माननीय सांसद श्री सुधीर जी गुप्ता थे जो हाल के यज्ञ के भी हैं उनके साथी रहे थे। टांक उस यज्ञ के प्रात: यज्ञ प्रारंभ से लेकर संध्या समाप्ति तक साथ रहे। उस समय उस यज्ञ का आयोजन वर्षा नहीं होने से वर्षा के लिये हुआ था और यज्ञ की सफलता का चमत्कार उस समय देखने को मिला था जब समापन दिवस पर पूर्णाहुति के समय जैसे ही आचार्यों द्वारा आहूति दी गई यज्ञ कुण्ड से लगभग 8-10 फीट उंची ज्वाला प्रकट हुई एकदम से बादल घिर गये, तूफान आया और बारिश (बूंदाबांदी) होने लगी। यज्ञ कैसा भी हो जैसा कि उक्त गीता में कहा गया है भगवान कृष्ण के उपदेश को ध्यान में रखकर किया जाता है। उसे इष्टफल की सिद्धि अवश्य होती है। 12 अप्रैल से 18 अप्रैल तक कालाखेत मंदसौर में आयोजित सोम महायज्ञ का आयोजन केवल मंदसौर नगरवासियों के लिए नहीं सम्पूर्ण जिला क्षेत्र के लिये पूर्व सोमयज्ञ की ही तरह यह यज्ञ भी सिद्ध और सफल हो ऐसी भगवान पशुपतिनाथ से प्रार्थना है। सपरिवार इष्टमित्रों सहित सबको इसमें सम्मिलित अलभ्य लाभ लेना चाहिए।

बंशीलाल टांक, मंदसौर

केंद्र सरकार को इस नाम पर भी ध्यान देना चाहिए...

एक साहसी क्रांतिकारी महिला श्रीमती दुर्गा भाभी

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह एवं सुखदेव तथा बटुकेश्वर दत्त की टीम में एक जबरदस्त क्रांतिकारी महिला सहयोगी के रूप में थी, जिसका नाम था श्रीमती दुर्गा भाभी। इसी दुर्गा भाभी ने भगत सिंह की पत्नी बनकर अंग्रेजों को चकमा देने में सफलता हासिल की। जब पंजाब केसरी लाला लाजपत राय की हत्या हो गई तो 10 दिसंबर 1928 को लाहौर में क्रांतिकारियों की एक बैठक बुलाई गई थी जिसकी अध्यक्षता दुर्गा भाभी ने की थी, जो महान क्रांतिकारी भगवती चरण बोहरा की पत्नी थी। इस बैठक में तय किया गया कि लाला लाजपत राय की मौत का बदला लिया जाएगा। दुर्गा देवी ने सबसे पूछा कि- आप में से कौन सांडर्स की हत्या का बीड़ा उठा सकता है? भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु और चंद्रशेखर ने अपने हाथ उठा लिए।

17 दिसंबर 1928 को भगत सिंह और राजगुरु ने शाम 4:00 बजे अंग्रेज अधिकारी सांडर्स को जान से मार कर पंजाब केसरी लाला लाजपत राय की मौत का बदला ले लिया। उसके बाद दुर्गा भाभी से जब पूछा गया कि आप लाहौर से बाहर जा सकती हैं? उस समय दुर्गा भाभी लाहौर के एक स्कूल में हिंदी की अध्यापिका थी, दुर्गा भाभी ने तुरंत हां करते हुए कहा कि मैं स्कूल से छुट्टी ले लूंगी। 20 दिसंबर को भगत सिंह एक अफसर की वेशभूषा में तांगे में सवार हुए और उन्होंने एक लॉन्ग कोट पहन रखा था उनके साथ एक कीमती साड़ी और उंची हील की चप्पल पहने दुर्गा भाभी भी उनकी पत्नी के रूप में यात्रा कर रही थी। भगत सिंह की गोद में दुर्गा भाभी का 3 साल का बेटा था भगत सिंह और राजगुरु दोनों के पास लोडेड रिवाल्वर थी। लाहौर रेलवे स्टेशन पर करीब 500 अंग्रेज पुलिस वाले भगत सिंह को गिरफ्तार करने के लिए तैनात खडे थे। भगत सिंह और दुर्गा भाभी एवं उनका 3 साल का बच्चा इतनी सारी पुलिस के बीच में ट्रेन में सवार हो गए तथा कानपुर पहुंचने के बाद तीनों ने कोलकाता के लिए ट्रेन पकडी। दुर्गा भाभी का जन्म 7 अक्टूबर 1907 को इलाहाबाद में हुआ था, उनके पिता बांके बिहारी लाल भट्ट इलाहाबाद में जिला न्यायाधीश थे। सन 1918 में उनका विवाह मशहूर स्वतंत्रता सेनानी भगवती चरण बोहरा से हो गया तथा 3 दिसंबर 1925 को उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। दुर्गा भाभी उस जमाने में इतनी हिम्मत वाली महिला थी कि उन्होंने क्रांतिकारियों को हथियार सप्लाई करने की पूरी व्यवस्थाएं की अनेक क्रांतिकारी उनके घर पर भोजन करते थे, छुप जाते थे और सारी योजनाएं उनका उनके घर पर तैयार होती थी और दुर्गा भाभी सभी क्रांतिकारियों का मार्गदर्शन करती थी।

9 अक्टूबर 1930 को दुर्गा भाभी ने गवर्नर हेली पर गोली चला दी थी जिसमें गवर्नर हेली तो बच गया लेकिन सैनिक अधिकारी टेलर घायल हो गया था मुंबई के पुलिस कमिश्नर को भी दुर्गा भाभी ने गोली मारी थी जिसके परिणाम स्वरूप अंग्रेज पुलिस इनके पीछे पड़ गई थी। लेकिन अनेक समय तक दुर्गा भाभी ने भूमिगत रहकर अंग्रेजों के विरुद्ध काम करती रही किंतु 1931 समाप्त होते-होते क्रांतिकारी आंदोलन अपना दम तोड़ने लगा था 23 मार्च 1931 को भगत सिंह सुखदेव और राजगुरु को फांसी पर चढ़ाया जा चुका था इससे कुछ दिन पहले 27 फरवरी 1931 को चंद्रशेखर आजाद भी पुलिस मुठभेड में अपने प्राण न्योछावर कर चुके थे। उस समय दुर्गा भाभी ने तय किया कि वह आत्मसमर्पण करेगी। 12 सितंबर 1931 को दुर्गा भाभी का इस बारे में लाहौर के समाचार पत्रों में बयान प्रकाशित हुआ। दिन के 12:00 बजे पुलिस ने उनके निवास स्थान से उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उन्हें गिरफ्तार करने के लिए तीन लारी भरकर पुलिस आई थी तथा उन्हें जेल में खूंखार महिला अपराधियों के बीच में रखा गया किंतु पुलिस उनके विरुद्ध कोई प्रमाण नहीं जुटा पाई तो दिसंबर 1932 में उन्हें जेल से रिहा कर दिया, किंतु 3 साल तक उन्हें लाहौर छोडने पर प्रतिबंध लगा दिया। 1936 में दुर्गा भाभी लाहौर से गाजियाबाद आ गई और वहां प्यारेलाल गर्ल्स हाई स्कूल में अध्यापन कार्य करने लगी सन 1940 में उन्होंने लखनऊ में मोंटेसरी स्कूल की स्थापना की बाद में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसके भवन का उद्घाटन किया। अप्रैल 1983 में उन्होंने विद्यालय से अवकाश ले लिया, क्योंकि वह अस्वस्थ रहने लगी थी तथा 15 अक्टूबर 1999 को दुर्गा भाभी ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उस जमाने में जब महिलाएं घर से बाहर निकलने में भी संकोच करती थी उस समय दुर्गा भाभी जैसी क्रांतिकारी महिला ने खुलकर क्रांतिकारियों की मदद की उनको आर्थिक सहायता भी दी, उनको हथियार भी सप्लाई की है और समय-समय पर उनके भोजन इत्यादि की व्यवस्था भी की। ऐसी वीरांगना, केंद्र सरकार के ध्यान में क्यों नहीं आ रही है? उन्हें मरणोपरांत राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाना चाहिए।

रमेशचंद्र चंद्रे, मंदसौर

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	21	2246	2381
उडद	18	4999	6500
सोयाबीन	5841	3980	4320
गैहु	13800	2450	2800
चना	664	5451	5780
मसुर	132	5757	6125
धनिया	680	5180	7900
लहसुन	20500	1751	9001
मैथी	1810	3900	5700
मुंगफली	1115	4000	5191
अलसी	2848	6000	6303
सरसो	544	5400	5896
तारामीरा	1	5551	5551
इसबगोल	157	11200	13000
प्याज	2193	251	1183
कलोंजी	16	12400	18390
तुलसी बीज	1	12300	12300
डॉलर	56	6111	9000
तिल्ली	2	8500	8500
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	4	2600	3952
असालीया	101	7200	7562
चियाबीज	99	8000	12661

जिले के सभी जानकार जड़ी बुटियों की जानकारी का खजाना है-मंत्री सुश्री भूरिया

डुंगर बाबा नी जड़ी बूटियों नु जोवनार की जिला स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

नीमच, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के मुख्य आतिथ्य में सोमवार को जिला प्रशासन, आयुष विभाग और जन अभियान परिषद के समन्वय से डुंगर बाबा नी जडी बूटियों नु जोवनार की जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। मंत्री सुश्री भूरिया ने भगवान धनवंतरी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया।

अपने उदबोधन में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा, कि जिले के सभी विकासखण्डों से जानकार एकत्र हुए है जिसमें आज जडी बुटियों के संबंध में बहुत जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के 6 माह के अथक प्रयासों से आज सभी जानकारो से मिलने का सुखद अनुभव प्राप्त हुआ है। हमारे अंचल में जडी बुटियों का परम्परागत ज्ञान विलुप्त ना हो जाए और आने वाली पीढियों तक अविरल और निरन्तर रूप से बना रहे, इसी उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया है। उन्होने कहा, कि जिलेभर से आए सभी जानकार जडी बुटियों की जानकारी का खजाना है, इस खजाने से जानकारी प्राप्त कर मन अभिभूत हुआ है। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा, कि इन जडी बुटियों को सही मात्रा में लेने से शरीर पर कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। कोरोना के समय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आयुष पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया गया और इसी उद्देश्य से देशभर में आयुर्वेद का विस्तार बढा। इसी कडी में जिला प्रशासन का यह कदम प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि ज्ञान बांटने से बढता है और इसी से परम्परागत ज्ञान को लिपिबद्ध करने से ज्ञानमयी धरोहर को संरक्षित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि जडी बुटियों की उपलब्धता बनाये रखने के लिए आगामी समय में बगीचा विकसित किया जाएगा जिसमें जलवायु

अनुसार जडी बुटियों को उगाया जा सकेगा। इस मौके पर जनप्रतिनिधि श्री भानु भूरिया ने कहा, कि आपके समक्ष उपस्थित होकर विभिन्न नई पद्धतियों के बारें में जानकारी प्राप्त हुई। हमारे जिले को साक्षरता में पिछडा माना जाता है किन्तु आज यह अनुभव हुआ कि जिला किताबी ज्ञान की बजाय प्राकृतिक ज्ञान से भरपूर है जिसे संजोना और प्रसारित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जडी बूटियों को निश्चित स्थान पर उगाने के प्रयास किए जाने चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष अजजा मोर्चा श्री कलसिंह भाबर ने स्वयं अपने जडी बूटियों के ज्ञान को सबके बीच सांझा किया। उन्होंने कहा कि जिले में कई सदियों से मनुष्य के साथ साथ पशुओं के उपचार के लिए भी इन जडी बूटियों का उपयोग किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के माध्यम से प्राप्त इस ज्ञान को संरक्षित करना है जिससे पूरे देश में यह प्रसारित होता रहे। जिला आयुष अधिकारी डॉ प्रमिला चौहान ने कहा, कि सितम्बर माह में कलेक्टर सुश्री नेहा मीना के मार्गदर्शन से आयुष विभाग में नवाचार की रणनीति बनाई गई जिसमें जडी बूटी को विलुप्ति से बचाने के लिए प्रयास किये गये। आयुष विभाग और जन अभियान परिषद के संयुक्त प्रयासों से सचिवो के माध्यम से सर्वे कराकर 157 जानकारों की फाइनल लिस्ट बनाई गई। प्रथम चरण में विकासखण्ड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। द्वितीय चरण में जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजन किया गया।

जानकारों का अनुभव- कार्यशाला में पेटलावद से आए श्री विनोद ने बताया कि उनके पिताजी डिप्टी रेंजर थे और जंगल में जा कर उनको जडी बूटियों का ज्ञान प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि पथरी के इलाज के लिए जंगली गेखरू का प्रयोग करते है और अब तक लगभग 2 से 3 लाख पथरी मरीजों को ठीक कर चुके है इसी के साथ उन्होंने पाइल्स के उपचार के लिए मार्सेली के बीज पिस कर पेस्ट बना कर उपचार बताया। उन्होंने कहा, कि अपने बच्चों को भी ज्ञान सिखाया और प्रदेश के बाहर भी उपचार करते हैं। श्री खुमान डामोर ने बताया कि कोरोना में गुडऔर तुलसी का काडा का उपयोग किया गया। साथ ही सफेद धातु के उपचार के लिए नीम के फल (निंबोली), गठान के उपचार के लिए एलोवरा का उपयोग और शराब का नशे की आदत को छुडाने के लिए शीशम की छाल का उपयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त अन्य जानकारो ने भी अपने अनुभव और ज्ञान के बारें में विस्तार से बताया।

प्रदर्शनी का अवलोकन- कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा आयुष विभाग एवं समस्त विकासखण्डों पर आयोजित कार्यशाला के माध्यम से पधारे जानकारो द्वारा विभिन्न जडी बूटियों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान ही कलेक्टर की इस पहल और सदियों से चले आ रहे ज्ञान के संरक्षण के लिए बुजुर्गो द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया।

जानकारों का सम्मान- कार्यक्रम में जिले भर से आये जानकारों का सम्मान कर मंत्री सुश्री भूरिया द्वारा विशेष योगदान के लिए प्रमाण पत्र दिये गये।

आगामी कार्ययोजना- डूंगरबाबा नी जडी बूटियो नु जोवनार के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला के उपरान्त समस्त जानकारियो को सुव्यवस्थित लिपिबद्ध कर दस्तावेजीकरण किया जाएगा। जिसकेतहत सम्पूर्ण जानकारी जैसे विद्या कहा से सीखी, गुरु का प्रमुख व्यक्ति का नाम आस्था का केंद्र की जानकारी, मरीज की बीमारी की पहचान कैसे, इलाज की प्रक्रिया, जडी बूटी का नाम और मात्रा, जडी बूटी की उपलब्धता , इलाज की समयावधि , इलाज की पहुंच, जडी बूटी के उत्पादन की प्रक्रिया, विशेष रूप से किए गए उपचार की जानकारी का व्यवस्थित संकलन किया जाएगा।

मप्र में बदले जा सकते हैं 15 जिलों के आबकारी अधिकारी

भोपाल, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में शराब ठेकों की नीलामी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब 15 जिलों के जिला आबकारी अधिकारी (डीईओ) हटाए जा सकते हैं। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा ने ऐसे जिलों की सूची मांथी थी, जहां डीईओ का प्रदर्शन खराब है। इनमें छिंदवाडा, विदिशा, बडवानी और राजगढ के डीईओ का प्रदर्शन(परफारमेंस) खराब बताया जा रहा है। ये जिले राजस्व लक्ष्य में पिछड गए हैं। वहीं नर्मदापुरम, छतरपुर, झाबुआ, टीकमगढ और खंडवा जिले में एक ही जिला आबकारी अधिकारी के पदस्थ रहते तीन साल से अधिक हो गया है। वाणिज्यिक कर विभाग के प्रमुख सचिव ने ऐसे जिलों की सूची तैयार कर ली है। जल्द ही इनके तबादले किए जा सकते हैं।

चार जिले प्रभारी के भरोसे, वरिष्ठ पदों पर कनिष्ठ पदस्थ- ❊ विभाग में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां कनिष्ठ अधिकारी, जैसे कि सहायक जिला आबकारी अधिकारी (एडीईओ), जिला आबकारी अधिकारी (डीईओ) जैसे महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ❊ इस स्थिति को देखते हुए आबकारी महकमे में बडे फेरबदल की संभावना जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, प्रदेश के कई जिलों के जिला आबकारी अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं। ❊ इसमें शिवपुरी, नरसिंहपुर, आलीराजपुर, सहित कई जिले शामिल हैं, जहां नए अधिकारियों की नियुक्ति आवश्यक हो गई है।

जल संरक्षण हेतु तालाब गहरीकरण हेतु लगातार किया जा रहा श्रमदान

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जल एक सीमित और बहुमूल्य संसाधन है जो पृथ्वी पर सभी जीवन को बनाए रखता है। बढती वैश्विक आबादी और मौसम के पैटर्न पर जलवायु परिवर्तन के चल रहे प्रभाव के साथ, पानी की कमी एक बढती हुई चिंता बन गई है। इस चुनौती के जवाब में, जल संरक्षण भावी पीढियों के लिए स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीति के रूप में उभरा है। जल गंगा संवर्धन अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य नदी, तालाब, पुरानी बावडी सार्वजनिक कुआ की स्वच्छता और संरक्षण को बढावा देना है। ईसी कडी में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग म.प्र. शासन ने सामुदायिक भागीदारी को बढावा देना और लोगों को जल संसाधनों के संरक्षण में शामिल करने का लक्ष्य रखा है। नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति ग्राम खोखरा द्वारा सामुदायिक भागीदारी को बढावा देना और लोगों को जल संसाधनों के संरक्षण में जागरुक करना प्रमुख लक्ष्य है। जल गंगा सवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जुन तक चलाया जायेगा। इसी कडी में जल गंगा सवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम खोखरा में तालाब की सफाई एवं गहरीकरण हेतु ग्रामीणों ने श्रमदान किया। जिसमें नवांकुर संस्था एवं ग्रामीण जनो का सहयोग रहा।

जिले की चारों विधानसभा में आज व कल भाजपा के सक्रिय सदस्य सम्मेलन होगे

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन अनुसार आगामी 08 और 09 अप्रैल को भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में मंदसौर जिले की चारों विधानसभाओं में सक्रिय सदस्य कार्यकर्ताओं के वृहत सम्मेलन आयोजित किये जा रहे है। जिले की चारों विधानसभाओं के सम्मेलन को सफलता पूर्वक सम्पन्न करवाने के लिये भाजपा जिला उपाध्यक्ष एंव कार्यक्रम जिला संयोजक शिवराज सिंह राणा, सह संयोजक अजय तिवारी (जिला मंत्री, भाजपा), जगदीश परमार (जिला विशेष आमंत्रित सदस्य, भाजपा), श्रीमती निर्मला गुप्ता (जिलाध्यक्ष, महिला मोर्चा) बनाये गये है। कार्यक्रम अनुसार सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवडा, सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित, विधायकगण चन्दरसिह सिसोदिया, हरदीप सिंह डंग, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया उपस्थित रहेंगे, सम्मेलन तीन सत्रों में सम्पन्न होगें। गरोठ विधानसभा का सम्मेलन 08 अप्रैल को प्रात: 10 बजे पुरानी कृषि उपज मंडी गरोठ में, सुवासरा विधानसभा का सम्मेलन 08 अप्रैल को दोपहर 03 बजे भाटी कॉप्लेक्स तितरोद में, मल्हारगढ विधानसभा का सम्मेलन 09 अप्रैल को प्रात: 10 बजे कुशाभाऊठाकरे ऑडिटोरियम मंदसौर में मंदसौर विधानसभा का सम्मेलन 09 अप्रैल को दोपहर 03 बजे कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटोरियम मंदसौर गठित जिला टोली भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित के निर्देशानुसार चारों विधानसभाओं के सभी मंडल अध्यक्षों से संपर्क कर सम्मेलन को सफल बनाने की कार्ययोजना में जुट गई है। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

श्रीराम का जीवन समता भाव से ओतप्रोत है, उनसे विनम्रता की प्रेरणा ले-पं. जोशी

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। अध्यात्म के अध्येता पं.देवेश्वर जोशी ने कहा कि श्रीराम का जीवन समता भाव से ओतप्रोत है। उनसे विनम्रता की प्रेरणा मिलती है। श्रीराम ने विभीषण, सुग्रीव, निषादराज, केवट, शबरी के प्रति जो स्नेहपूर्ण व्यवहार किया वह श्रीराम के समता भाव का परिचायक है।

आपने कहा कि धर्म के सभी लक्षण श्रीराम के जीवन में मौजूद हैण् श्रे राम के व्यक्तित्व से सारा संसार प्रभावित है। प्रमुख वक्ता श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि श्रीराम की भक्ति आत्म कल्याण की ओर अग्रसर करती है तथा मानव स्वरूप मे उनका मर्यादापूर्ण चरित्र जीवन में सुख, शांति व समाधि प्रदान करता है। माता, पिता और गुरू का सम्मान व आज्ञापालन सुसंस्कार है जो राम जी के जीवन के बाल्यकाल के चित्रण मे प्रकट होता है। वे पराक्रमी, न्यायप्रिय व सत्य के साधक है। सहयोगियो के प्रति उनका कृ तज्ञता भाव अनुकरणीय है। श्रीराजकुमार जसवंत, श्री त्रिलोचनसिंह छाबडा ने विचार व्यक्त किये। श्री राजेन्द्र तिवारी, श्री अभय जैन, श्री नरेन्द्रपालसिंह राणावत महेश खत्री ने गीत भजन प्रस्तुत किये। डॉ.रविन्द्र जोशी, प्रकाश चंदवानी, निरंजन भारद्वाज, श्री वल्लभ बघेरवाल, दिनेश खत्री, विनोद चैबे, वीरेन्द्र भादविया, विनोद चैबे, शांतिलाल सोनी ने संवाद मे सहभागिता की। आध्यात्मिक संवाद के संयोजक श्री रमेश ब्रिजवानी ने गतिविधियो की जानकारी दी। संचालन आध्यात्मिक चेतना अभियान के संयोजक श्री विनोद शर्मा ने किया। आभार प्रदर्शन समन्वयक श्री प्रकाश कल्याणी ने किया।

प्रधान आरक्षक को मारकर लाश ठिकाने लगाने जा रहे थे, गांव वालों ने पकड़कर धुना

रतलाम, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिले के रिंगनोद थाना क्षेत्र के ग्राम मोरिया के समीप रूपनिया डेम में एक व्यक्ति का शव ठिकाने लगाने जा रहे तीन व्यक्तियों को ग्रामीणों ने पकड लिया तथा उनकी पिटाई की। सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी व जवान मौके पर पहुंचे तथा तीनों व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया। मृतक की पहचान 32 वीं बटालियन के प्रधान आरक्षक गुलाबसिंह पंवार निवासी ग्राम डाबड्या राजपूत थाना तराना जिला उज्जैन के रूप में हुई है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर ग्राम मोरिया के समीप रूपनिया डैम में कुछ व्यक्ति कार में एक व्यक्ति का शव लेकर उसे ठिकाने लगाने पहुंचे थे। तभी गांव के चौकीदार ने उन्हें देख लिया तो आरोपित कार लेकर वहां से भागे। वे कार लेकर पास के गांव रणायरा गुर्जर होकर जा रहे थे तभी रास्ते में कार खराब होकर रूक गई। इसी बीच आरोपित कार से उतरे तथा कार छोड़कर भागने लगे। ग्रामीण उन्हें भागता देख कार के पास पहुंचे तो उसमें एक व्यक्ति का शव था। सूचना मिलने पर जावरा ग्रामीण एसडीओपी संदीप मालवीय, एसआई शिवेंद्र कुमार व अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा तीनों को हिरासत में ले लिया।

जीप के सामने आकर ग्रामीणों को सौंपने की मांग- पुलिस आरोपितों को बैठाकर जीप से ले जाने लगी तो ग्रामीण जीप के सामने आकर आरोपितों को उन्हें सौंपने की मांग करने लगे। एक एसआई पुलिस जीप के बौनट पर बैठकर गुस्साएं ग्रामीणों को शांत करने का प्रयास करने लगे। वे ग्रामीणों को आरोपितों को पकडने के लिए धन्यवाद देते हुए कहने लगे कि आपके सहयोग से ही आरोपित पकड में आए है। आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस पर ग्रामीण शांत हुए तथा पुलिस आरोपितों को जीप से रिंगनोद थाने पर ले गई।

पूछताछ की जा रही है- प्रारंभिक पूछताछ में एक आरोपित द्वारा किसी महिला पर बुरी नजर रखने की बात को लेकर घटना सामने आई है। हत्या किस स्थान पर की गई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। मृतक के स्वजन को सूचना दी गई है। शव जावरा के सरकारी अस्पताल में रखवाया गया है। आरोपितों तों से पूछताछ की जा रही है।

-संदीप मालवीय
एसडीओपी जावरा

चपलाना में स्वरोजगार शिविर सम्पन्न

नीमच, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार सोमवार को मनासा जनपद की ग्राम पंचायत चपलाना में पंख अभियान के तहत रोजगार शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में समुदाय विशेष (बांछडा समुदाय) की महिलाओं और पुरुषों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न स्वषरोजगार योजनाओं की जानकारी देकर, उनका लाभ लेने की प्रक्रिया बताई गई। शिविर में पात्र हितग्राहियों का चयन कर, उन्हें संबंधित योजनाओं के दस्तावेजों की जानकारी देकर योजना से लाभांवित किया और उनके स्वनरोजगार योजनाओं में संबंधित विभाग द्वारा प्रकरण तैयार किए गए। शिविर में उप संचालक उद्यान श्री अतरसिह कन्नौजी सहित जिला एवं विकासखण्डक स्तररीय अधिकारी, कर्मचारी एवं हितग्राही महिलाएं उपस्थित थी।

कलेक्टर ने पशुपतिनाथ लोक निर्माण एजेंसी से चर्चा कर कार्यों का निरीक्षण किया

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने पशुपतिनाथ लोक निर्माण एजेंसी से चर्चा की एवं कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पशुपतिनाथ निर्माण एजेंसी को निर्देश देते हुए कहा कि कार्य को बंद न करें। कार्य एक माह में पूर्ण करें। साथ ही मजदूरों की संख्या बढाएं। जिससे कार्य जल्द पूर्ण हो। डिजाइन के अनुरूप ही कार्य करें।

एक बार पुन: पुस्तक मेला का आयोजन 13 व 14 अप्रेल को

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। डीपीसी श्री शुक्ला द्वारा बताया गया कि, एक बार पुन: पुस्तक मेला का आयोजन 13 अप्रैल से 14 अप्रैल तक संजय गांधी उद्यान मंदसौर में आयोजित होगा। अभिभावकों, छात्र-छात्राओं के उत्साह और डिमांड को देखते हुए जिला प्रशासन ने लिया निर्णय लिया है। मेले का समय दोपहर 03 बजे से सांय 09 बजे तक रहेगा।

विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के निराकरण हेतु न्यायिक शिविर 16 को

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। विद्युत विभाग अधीक्षण यंत्री द्वारा बताया गया कि 16 अप्रैल2025 को म.प्र.प. क्षे.वि.वि.कं.लि., मंदसौर वृत्त में आयोजित होगा उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर।

म.प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के लिए गठित विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम, इंदौर/उज्जैन द्वारा 16 अप्रैल2025 को मंदसौर मुख्यालय स्थित श्रम कल्याण केंद्र, चंबल कॉलोनी, मंदसौर में दोपहर 03:00 बजे से 05:00 बजे तक एक न्यायिक शिविर का आयोजन किया जाएगा।इस शिविर में मंदसौर, मल्हारगढ, गरोठ एवं सीतामऊसंभागों के विद्युत उपभोक्ताओं द्वारा प्रस्तुत लिखित परिवादों की सुनवाई माननीय फोरम सदस्यों की उपस्थिति में की जाएगी। शिकायत पंजीयन हेतु आवेदन पत्र उपभोक्ताओं को कार्यालयों में नि:शुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं, शिकायतें 16 अप्रैल2025 को शिविर स्थल पर भी स्वीकार की जाएंगी। संबंधित सभी विद्युत उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वे अपनी लंबित शिकायतों का निराकरण इस अवसर पर प्राप्त करने हेतु समय पर उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाएं।

विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं अधिवक्ताओं के साथ बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष डीएलएसए मंदसौर श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन एवं व्यव्हार न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर सुधीर सिंह निगवाल की उपस्थिति में 07 अप्रैल 2025 को एडीआर सेंटर भवन मंदसौर में विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं अधिवक्ताओं के साथ बैठक आयोजित की गई। उक्त आयोजित बैठक में विशेष न्यायाधीश विद्युत अधिनियम श्री सिद्धार्थ तिवारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को 10 मई 2025 को

आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए न्यायालय में लंबित विद्युत प्रकरणों में अधिक से अधिक संख्या में अप्राप्त वारंटों का निष्पादन कर अधिकतम निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रेलिटिगेशन एवं पेंडिंग प्रकरणों के अधिक संख्या में निराकरण के लिए और अधिक प्रयास के लिए निर्देश दिये। बैठक में अधीक्षण अभियंता श्री राजेश जैन, विधि अधिकारी श्रीमती नेहा सोमपुरा, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्रीमती अपर्णा लोधी , अधिवक्ता श्री संदीप भार्गव उपस्थित थे।

सोने में 2 हजार 613 की बड़ी... पेज 1 से जारी

83,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,530 रुपए है। ❊ **मुंबई :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,380 रुपए है। ❊ **कोलकाता :** 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 82,850 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 90,380 रुपए है। ❊ **चेन्नई :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,380 रुपए है। ❊ **भोपाल :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 90,430 रुपए है।

गोल्ड में प्रॉफिट बुक कर रहे निवेशक- केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार सोने ने इस साल अब तक करीब 19 प्रतिशत का रिटर्न दिया है, ऐसे में शेयर मार्केट में हो रहे नुकसान को निवेशक गोल्ड में प्रॉफिट बुक करके कवर करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके चलते सोने में बिकवाली आ गई है जो कुछ दिनों तक जारी रह सकती है। इससे आने वाले दिनों में सोना और नीचे आ सकता है। हालांकि, जियो पॉलिटिकल टेंशन बढ़ने से गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। वहीं गोल्ड में निवेश भी बढ़ रहा हैं इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही हैं ऐसे में इस साल सोना 94 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच सकता है।

नीमच में 19 व 20 अप्रेल को जिला स्तरीय पुस्तक मेला होगा

नीमच, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। म.प्र.शासन स्कूपल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नवीन शैक्षणिक सत्र 2025-26 प्रारंभ होने से समस्त शासकीय, अशासकीय विद्यालयों में पठन-पाठन प्रारंभ किया गया है। निजी विद्यालयों हेतु स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी राजपत्र, मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा अन्य संबंधित विषयों का विनियमन) नियम-2018 एवं नियम-2020 प्रभावशील है। नियम- 2020 की धारा 6 में प्रावधान है कि निजी विद्यालय प्रबंधन द्वारा छात्र या अभिभावकों को पुस्तकें, युनिफार्म, टाई, जुते, कॉपी आदि केवल चयनित विक्रेताओं से क्रय करने के लिए औपचारिक अथवा अनोपचारिक किसी भी रूप में बाध्य नहीं किया जायेगा।

इसी क्रम में अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत, छात्र, छात्राओं की सुविधा के लिए जिला स्तर पर 19 एवं 20 अप्रेल 2025 को (दो दिवसीय) पुस्तक मेले का आयोजन सीएसव्ही अग्रोहा भवन नीमच में प्रात: 10 बजे से सांय 5 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। जिसमें अशासकीय स्कूल के विद्यार्थियों के लिए पाठ्यपुस्तक एवं समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए कापियां, यूनीफार्म एवं अन्य स्टेशनरी सामग्री विशेष छूट पर उपलब्ध होगी। जिला शिक्षा अधिकारी नीमच ने अपील की है, कि अधिक से अधिक विद्यार्थी एवं अभिभावक निर्धारित 2 दिवसीय पुस्तक मेले में उपस्थित होकर विशेष छूट का लाभ उठाए।

ग्रीष्मकाल में किसी भी गांव में कोई पेयजल समस्या ना रहें-विधायक मारू

मनासा में ग्रीष्मकाल में पेयजल समस्या के समाधान सम्बंधी बैठक सम्पन्न

नीमच, 07 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सभी नगरीय निकाय एवं लो.स्वा.यां.विभाग सुनिश्चित करें, कि आगामी ग्रीष्मकाल में किसी भी ग्राम में पेयजल की कोई समस्या ना हो। अभी से समस्या मूलक एवं समस्या संभावित गाँवों में पर्याप्त पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था की जाए। जल निगम के कार्यो की वजह से जिन गांवों की पेयजल योजनाए क्षतिग्रस्त होकर बंद हो गई है। उन सभी गाँवों की पेयजल योजनाओं की मरम्मत करवाकर जल प्रदाय प्रारंभ करवाएं। यह बात मनासा विधायक श्री अनिरूद्ध मारू ने सोमवार को मनासा में ग्रीष्मकाल में सम्भावित पेयजल समाधान के समाधान संबंधी समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए।

बैठक में जिला पंचायत सी.ई.ओं. श्री अमन वैष्णव, एस.डी.एम.मनासा श्री पवन बारिया, जनपद सी.ई.ओ.श्री अरविंद डामोर सहित सभी विभागों के विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी, मनासा क्षेत्र की नगरीय निकायों के सीएमओ एवं क्षेत्र के सरपंच, सचिव भी उपस्थित थे। बैठक में लोक स्वा.यां विभाग के सहायक यंत्री ने बताया कि, पेयजल समस्या से सम्बधित सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए दूरभाष नम्बंर 07423-230192 पर जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। प्राप्त शिकायतों का 24 घंटे में निराकरण करवाकर हेण्डपंप चालू करवाए जा रहे हैं। बैठक में लो.स्वा .यां.विभाग के सहायक यंत्री ने ग्रीष्मकाल में सम्भावित पेयजल समस्या से निपटाने के लिए तैयार कार्य योजना की जानकारी देते हुए बताया, कि जिले में 380 बसाहटों में नवीन नलकूप खनन के कार्य प्रस्तावित है। साथ ही जल स्तर की कमी वाले नलकूपों पर 234 सिंगल फेज पंप स्थापित करने का प्रस्ताव है। जिले में 539 हैंडपंपों में पाइपलाईन बढाई जाएगी। चालू वित्तीय वर्ष में 730 सिंगल फेज पंप स्थापित किए गये हैं।

छवि गोस्वामी (हाईकोर्ट एडव्होकेट)

कार्यालय/निवास :-53, चक्रवर्ती कालोनी स्टेशन रोड, मंदसौर मो.न. 8109453969

दिनांक 07.04.2025

❊❊❊ जाहिर सूचना ❊❊❊

मेरे पक्षकार अरविन्द पिता रामचंद्र जी परमार निवासी लदुना तह0 सीतामऊ जिला मंदसोर से प्राप्त जानकारी के अनुसार जाहिर सूचना प्रकाशित की जा रही है कि मनोहरलाल चौधरी पिता रामचंद्र चौधरी कलार निवासी- बस स्टेण्ड बिलांत्री तह. व जिला मंदसौर के स्वत्व स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भुमि जिसका सर्वे क्रमांक 502 रकबा 0.7600 हे., सर्वे क्रमांक 503 रकबा 1.2100 हे. कुल रकबा 1.9700 हे. चतुर्सीमा में बालाजी का मंदिर, पश्चिम में कारुलाल ब्राहम्ण की जमीन, उत्तर में मंदसौर सीतामउ मैन रोड, दक्षिण में - शासकीय तालाब स्थित है उक्त सम्पत्ति का विक्रय अनुबंध मनोहरलाल चौधरी पिता रामचंद्र चौधरी कलार एवं मेरे पक्षकार के मध्य दिनांक 07.10.2024 को निष्पादित किया जा चुका है जिसकी कुल प्रतिफल राशि का आंशिक भुगतान मेरे पक्षकार द्वारा मनोहरलाल चौधरी पिता रामचंद्र कलार को नगद एवं चैक के माध्यम से किया जा चुका है तथा बकाया राशि का भुगतान कर जल्द ही विक्रय पत्र का पंजीयन विक्रेता द्वारा मेरे पक्षकार के हक में निष्पादित किया जावेगा।

अतः इस उल्लेखित सम्पत्ति संबंध में यदि किसी व्यक्ति संस्थान इत्यादी को आपत्ति हो तो आवश्यक दस्तावेज सहित मेरे कार्यालय में 7 दिवस में सम्पर्क करे, नियत समय अवधि समाप्त होने के पश्चात विक्रय पत्र का पंजीयन मेरे पक्षकार द्वारा अपने हक में करवा लिया जावेगा । उसके पश्चात कोई आपत्ति मान्य व स्वीकार नही होगी। सो सूचित हो ।

भवदीय

छवि गोस्वामी, अभिभाषक

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in